साप्ताहिक हिन्दी और उर्दू समाचार पत्र

जयपुर से प्रकाशित

उम्मीद की एक नई रोशनी

आवाज़ ए तसनीम

آوازِ تسنیم

tasneemtv.official@gmail.com

PRGI No. RJBIL/25/A1815

www.tasneemtv.com | अंकः 24 / वर्षः 01 | पृष्ठः 8 | मूल्यः 2 रूपए | प्रातः कालीन

1ST FLOOR, 18K3, PANKAJ SINGHVI MARG, NEAR RAJ. VIDHAN SABHA, JYOTI NAGAR, JAIPUR (RAJ.) | E-MAIL : TASNEEMTV.OFFICIAL@GMAIL.COM | TOLL FREE : 8946 840 063 | WHATSAPP : 7610 866 001

नरेश मीणा बोले-धारीवाल ने पायलट को सीएम बनने से रोका

कहा-अमित शाह, बिरला और भाया ने मिलकर मुझे हराया; जानिए किसको बताया जयचंद

आवाज़ ए तसनीम

बूंदी। मेरे पास भीलवाड़ा से कार्यकर्ता का फोन आया। उसने कहा कि आप चुनाव वोटों से नहीं हारे हैं, आपको मशीन से चुनाव हरवाया गया है। मैं यह दिखाना चाहते हूं कि किस तरह से ओम बिरला, अमित शाह और प्रमोद जैन भाया ने मिलकर मशीन को हैक करके मुझे हराया है। यह बात किसान नेता और भगत सिंह सेना के अध्यक्ष नरेश मीणा ने बूंदी में कही। नरेश मीणा रविवार दोपहर करीब 2 बजे हेलिकॉप्टर से हिंडोली-नैनवां विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोलाहेड़ा में भगवान देवनारायण के मेले में पहुंचे। हजारों समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। कंधे पर बैठाकर मंच तक पहुंचाया।

नरेश मीणा बोले-कुछ लोग चाहते थे कि मैं चुनाव हार जाऊं

नरेश मीणा ने कहा कि पहली बार हिंडोली विधानसभा क्षेत्र में मेरा हेलिकॉप्टर उतरा है। अंता विधानसभा का उपचुनाव देखने वाले सभी राजनीतिक जानकार आज इस जनसमुदाय पर नजर रखे हुए हैं। कुछ लोग चाहते थे कि मैं चुनाव हार जाऊं। समाज का भाईचारा टूट जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि राजनीति में आने के बाद से मैंने हमेशा किसान और समाज की एकता का झंडा उठाया है। मैं किसान के घर में पैदा हुआ और खेत-खलिहानों में पला-बढ़ा। यदि मैं राजनीति में कुछ बन पाया तो अपना सब कुछ किसान कौम के लिए न्योछावर कर दूंगा।

‘कुछ लोग नहीं चाहते थे कि किसान कौम एक जाजम पर बैठे’

नरेश मीणा ने कहा कि जब भी किसान कौम को एकजुट करने का प्रयास हुआ, तब-तब राजनीतिक षड्यंत्र रचे गए।

राजस्थान कि राजनीति में मैंने सचिन पायलट, प्रहलाद गुंजल और हनुमान बेनीवाल के साथ किसान हित में काम किया, लेकिन कुछ लोग नहीं चाहते थे कि किसान कौम एक जाजम पर बैठे, क्योंकि इससे उनकी गिनती की वोटों वाली राजनीति खत्म हो जाती।

‘कोलाहेड़ा गांव गुर्जर-मीणा एकता की मिसाल’

नरेश मीणा ने कहा- भगवान देवनारायण की पूजा विशेष रूप से गुर्जर समाज करता है, लेकिन यह पहला उदाहरण है कि जिस गांव में भगवान देवनारायण का मंदिर है, मेला लगता है और पूरा गांव मीणा समाज का है। कोलाहेड़ा गांव ने गुर्जर-मीणा एकता और सामाजिक भाईचारे को मजबूत करने का उदाहरण पेश किया है।

‘शांति धारीवाल ने ही पायलट को सीएम बनने से रोका’

अंता विधानसभा उपचुनाव का उल्लेख करते हुए नरेश मीणा ने कहा कि जब मैं चुनाव लड़ रहा था तब सर्व समाज, विशेषकर गुर्जर समाज ने मुझे समर्थन दिया। सर्वसमाज मुझे विधानसभा भेजना चाहता था, जिससे किसानों की आवाज मजबूत हो।

यदि मैं विधानसभा पहुंचता तो शांति धारीवाल का राजनीतिक इलाज कर देता, क्योंकि शांति धारीवाल ने ही सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोका था। उन्होंने कहा कि मैं ओम बिरला और शांति धारीवाल जैसे नेताओं की राजनीति का अंत करने का काम भी करता।

बिना नाम लिए चांदना पर भी बोला हमला

नरेश मीणा ने बिना नाम लिए हिंडोली विधायक अशोक चांदना पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा- ऐसा ही एक जयचंद है, जिसे मेरे समाज के लोगों ने 3 बार वोट देकर विधायक बनाया। उस व्यक्ति ने सचिन पायलट को कमजोर करने का काम किया, कोटा में प्रहलाद गुंजल को कमजोर किया और बाद में अपने स्वार्थ के लिए अपने पिता के दुश्मनों से जा मिला। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यक्ति न सचिन पायलट का हुआ, न प्रहलाद गुंजल का और न ही अपने समाज का।

‘मेरी राजनीतिक हत्या की कोशिश की गई’

नरेश मीणा ने कहा-अभी 2028 के चुनाव में 3 साल का समय है, लेकिन मुझे हराने के लिए एक नहीं बल्कि कई लोग एकजुट हो गए है। जिस प्रकार अभिमन्यु को हराने के लिए कौरवों ने मिलकर षड्यंत्र किया, उसी प्रकार नरेश मीणा की राजनीतिक हत्या का प्रयास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केशोरायपाटन विधायक सीएल प्रेमी, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मिलकर षड्यंत्र किया और मुझे हराया, क्योंकि ये लोग किसान कौम की एकता नहीं देखना चाहते थे।

‘जानलेवा हमला किया गया’

नरेश मीणा ने कहा कि मुझ पर जानलेवा हमला किया गया, इसके बावजूद मुझे ही आरोपी बनाकर धारा 307 का मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि जहां सामान्य मामलों में 3 दिन में जमानत हो जाती है, वहीं मुझे समरावता कांड के बाद 8 महीने तक जेल में रखा गया।

‘मैं जेल से डरने वाला नहीं’

नरेश मीणा ने ओम बिरला का नाम लेते हुए कहा कि राजनीतिक दबाव में मुझे आठ महीने तक जेल में रखवाया गया, लेकिन मैं जेल से डरने वाले नहीं हूं। उन्होंने कहा कि वे मुझे जेल में डाल सकते हैं, लेकिन जनता और मेरे समर्थकों की भावनाओं को नहीं रोक सकते।

भगत सिंह की सेना घर-घर और सड़क-सड़क जाकर जनविरोधी राजनीति करने वालों को जवाब देगी। हिंडोली में मैं अपने किसी मजबूत भाई को आगे करूंगा। जिन्होंने आपके बेटे और भाई को कमजोर किया है, उन्हें चुनाव में सबक सिखाया जाएगा।

अंत में भगवान देवनारायण के चरणों में शीश झुकाकर नरेश मीणा ने जनता से भाईचारा बनाए रखने, व्यक्तिगत प्रतिक्रिया से बचने और आने वाले चुनाव में जवाब देने की अपील की।

हमारी युवा शक्ति के कारण दुनिया को भारत से उम्मीद

‘मन की बात’ देश की उपलब्धियों पर गर्व करने का अवसर : भजनलाल शर्मा

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ‘मन की बात’ कार्यक्रम की 129वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। वर्ष 2025 में इस कार्यक्रम की यह अंतिम कड़ी थी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में वर्ष 2025 में देश को विभिन्न क्षेत्रों में मिली उपलब्धियों और सफलताओं का जिक्र करते हुए उम्मीद जताई कि वर्ष 2026 विकसित भारत के संकल्प की सिद्धी में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर आमजन के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि देश ने वर्ष 2025 में अंतरिक्ष, विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन और अयोध्या मंदिर में ऐतिहासिक ध्वजारोहण ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया। वर्ष 2026 में देश नई उम्मीदों और संकल्पों के साथ आगे बढ़ने को तैयार है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी युवा शक्ति के कारण पूरी दुनिया को भारत से बहुत आशाएं हैं। युवा अपनी मेहनत, लगन और रचनात्मक सुझावों से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष स्वामी विवेकानन्द की जयंती पर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 का आयोजन किया जाएगा, जो युवाओं के लिए अपने सुझाव साझा करने का महत्वपूर्ण मंच होगा। श्री मोदी ने तकनीकी युग में लोगों की जिंदगी में तेजी से आ रहे बदलाव के बारे में चर्चा करते हुए स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन-2025 में युवाओं की उत्साहपूर्वक भागीदारी के बारे में बताया। इसके साथ ही, उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में आयोजित होने वाले गीतांजलि आईआईएससी कार्यक्रम की भी बात की। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में मणिपुर में सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली समस्या के समाधान, बांस से तैयार हैंडीक्राफ्ट उत्पादों तथा फूलों की खेती के माध्यम से महिलाओं के आत्मनिर्भर होने की भी चर्चा की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और कच्छ रणोत्सव का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले माह देश 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। देश की आजादी में अनेकों लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन उन्हें वह सम्मान नहीं मिल पाया जो उन्हें मिलना चाहिए था। ओडिशा की पार्वती गिरि ऐसी ही एक स्वतंत्रता सेनानी थी, जिन्होंने आजादी आंदोलन में हिस्सा लेने के साथ ही अनाथालयों की स्थापना के माध्यम से समाज सेवा भी की।

मोदी ने भारतीय भाषाओं के देश-दुनिया में हो रहे प्रचार-प्रसार के बारे में बताते हुए कहा कि दुबई में कन्नड़ परिवारों द्वारा कन्नड़ पाठशाला की शुरूआत तथा फिजी के विद्यालय में तमिल दिवस मनाने की शुरूआत इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि देश में भी काशी तमिल संगमम जैसे आयोजनों के माध्यम से हिंदी भाषी राज्यों के बच्चों को अन्य भाषाएं सिखाई जा रही है, जिससे उत्तर प्रदेश के बच्चे भी सरलता से तमिल बोल पा रहे हैं। मोदी ने निमोनिया जैसी बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक दवाओं के बेअसर साबित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए चिकित्सकीय परामर्श के बिना इनके इस्तेमाल से बचने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने व्यायाम को दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल कर सेहतमंद रहने पर भी जोर दिया। इस दौरान विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सीकर में तापमान 1 डिग्री पर पहुंचा

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। सीकर जिले में पिछले पांच दिन से कड़ाके की ठंड जारी है, जहां तापमान जमाव बिंदु के बेहद करीब पहुंच गया है। फतेहपुर (सीकर) मौसम केंद्र के टेंपरेचर रीडर श्योपाल सिंह ने बताया कि (रविवार) सुबह न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पूरे प्रदेश में सबसे कम है। किसान सरसों और गेहूं की फसल को बचाने के लिए रात में तिरपाल लगा रहे हैं। रविवार सुबह तिरपाल पर बर्फ की परत जमी नजर आई। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर ने अगले दो-चार दिन तक राज्य में इसी तरह कड़ाके की सर्दी की आशंका जताई है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के उत्तर-पूर्वी जिलों में हल्के बादल और धुंध छाई रही। कमजोर धूप और सर्द हवाओं के कारण दिन में भी ठिठुरन महसूस हुई। शनिवार को सभी शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

सीकर में लेपर्ड का हमला 2 ग्रामीण घायल

गधे का शिकार कर सरसों के खेत में छिपा, रेस्क्यू के लिए पहुंचा वन विभाग

आवाज़ ए तसनीम

लक्ष्मणगढ़ (सीकर)। सीकर के लक्ष्मणगढ़ के बनाई गांव में लेपर्ड ने दो लोगों पर हमला कर दिया। हमले में एक व्यक्ति के पैर तो दूसरे के हाथ में चोट लगी है।ग्रामीणों के अनुसार लेपर्ड सरसों के खेत में छिपा है। लेपर्ड की मौजूदगी की सूचना मिलने पर लक्ष्मणगढ़ वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से खेत को चारों ओर से घेर लिया।

इससे पहले लेपर्ड ने गांव के एक जोहड़े में गधे का शिकार भी किया है। साथ ही भागीरथ और मुकनाराम पर हमला कर दिया। भागीरथ के हाथ और मुकनाराम के पैर में चोट लगी है। जिला अस्पताल में इलाज के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई है।

राजस्थान में नए साल पर बारिश की संभावना: कोहरे के कारण 8 ट्रेन लेट, चंडीगढ़ की फ्लाइट रद्द, 4 विमान जयपुर डायवर्ट

आवाज़ ए तसनीम

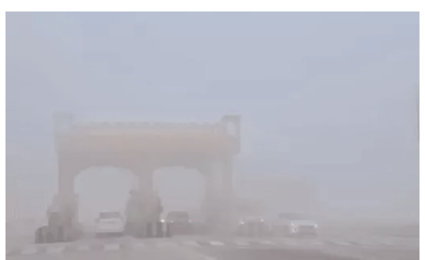

जयपुर। राजस्थान में नए साल (2026) पर बारिश की संभावना जताई जा रही है। प्रदेश में कड़ाके की सर्दी का दौर जारी है। उत्तर-पूर्वी राज्यों में घना कोहरा छाने का असर फ्लाइट्स और ट्रेन के संचालन पर देखने को मिला।

कोहरे के कारण सोमवार को दूसरे शहरों से दिल्ली और चंडीगढ़ जाने वाली 4 फ्लाइट्स को जयपुर डायवर्ट किया गया। जयपुर से चंडीगढ़ की फ्लाइट रद्द करनी पड़ी। जयपुर से गुवाहाटी की फ्लाइट ने निर्धारित समय से करीब पौने दो घंटे की देरी से उड़ान भरी। कोहरे के कारण राजस्थान से चलने वाली 8 ट्रेन लेट हुई हैं। रविवार को बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर और फलोदी को छोड़कर बाकी सभी जिलों में न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट में दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 1 जनवरी को 12 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट भी जारी किया है। जोधपुर, बीकानेर और अजमेर संभाग के कुछ हिस्सों में शनिवार को दिन में हल्के बादल भी छाए रहे। शनिवार को जयपुर, दौसा, उदयपुर, करौली सहित 6 शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने राज्य में आज (सोमवार) और कल (मंगलवार) मौसम इसी तरह रहने का अनुमान जताया है।

इन जिलों में छा सकते हैं बादल

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- एक नए मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 31 दिसंबर और 1 जनवरी को बीकानेर संभाग और शेखावाटी क्षेत्र के जिलों के कुछ भागों में बादल छा सकते हैं।

साथ ही कहीं-कहीं हल्की बारिश या मावठ होने की संभावना है। इस दौरान 31 दिसंबर को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं और सीकर जिलों में बादल छा सकते हैं। 1 जनवरी को श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं और अलवर में बादल छाने की संभावना है। कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है।

इन फ्लाइट्स पर कोहरे का असर

जयपुर से चंडीगढ़ जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6श्व-7742 आज रद्द हो गई। यह विमान जयपुर से सुबह 5՞50 बजे चंडीगढ़ के लिए उड़ान भरता है। चंडीगढ़ में घना कोहरा होने के कारण उड़ान रद्द की गई।

इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E-748 (जयपुर-गुवाहाटी) ने अपने निर्धारित समय सुबह 6:40 बजे के बजाय सुबह 8:26 बजे उड़ान भरी। यह फ्लाइट पिछले एक सप्ताह से लगातार देरी से उड़ान भर रही है।

समीरा खान: 9 साल की उम्र में मां-बाप खोए, फिर साइकिल से 37 देश और 11 पहाड़ किया फतह

अवाज़ ए तसनीम

विश्व प्रसिद्ध साइकलिस्ट और पर्वतारोही समीरा खान झारखंड के चतरा जिले के हंटरगंज पहुंचीं, जहां पुलिस और स्थानीय लोगों ने उनका सम्मान किया. वह अब तक 37 देशों का साइकिल से सफर कर चुकी हैं. जबकि 11 पर्वत शिखरों को पार कर चुकीं है. अपने बुलंद हौसले और लगन से समीरा आज लड़कियों के लिए साहस और प्रेरणा की मिसाल हैं.दुनिया की लंबी सड़कों से लेकर ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों तक, हौसले की एक अनोखी कहानी झारखंड के चतरा जिले के हंटरगंज में देखने को मिली. 37 देशों की साइकिल यात्रा और 11 पर्वत शिखरों को पार कर चुकीं भारत की साहसी पर्वतारोही और विश्व प्रसिद्ध साइकलिस्ट समीरा खान जब हंटरगंज पहुंचीं, तो उनका स्वागत भी उतना ही खास और सम्मान से भरा रहा. यह सिर्फ एक यात्रा का पड़ाव नहीं था, बल्कि संघर्ष, साहस और प्रेरणा से भरे सफर की झलक थी.भारत की बहादुर पर्वतारोही और विश्व प्रसिद्ध साइकलिस्ट समीरा खान झारखंड के चतरा जिले के हंटरगंज पहुंचीं. जैसे ही उनकी साइकिल यात्रा प्रखंड की सीमा में प्रवेश किया. स्थानीय पुलिस प्रशासन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने उन्हें फूल और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया. इसके साथ ही उनके रात के आराम करने समेत दूसरी इंतजामों का भी पूरा ध्यान रखा गया. हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने इस मौके पर कहा कि समीरा खान पूरे विश्व के लिए प्रेरणा हैं. उनका साहस और संकल्प खास तौर पर युवतियों को आगे बढ़ने की नई दिशा देता है. उन्होंने कहा कि इस तरह की उपलब्धियां यह साबित करती हैं कि अगर इरादे मजबूत हों, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती.समीरा खान की उपलब्धियां बेहद खास और चुनौतीपूर्ण हैं. उन्होंने 37 देशों का साइकिल से सफर किया है और 11 पर्वत चोटियों पर चढ़ाई की है, जिनमें से 7 चोटियों पर वह सफलतापूर्वक फतह हासिल कर चुकी हैं. नेपाल की 6,859 मीटर ऊंची अमा डबलाम चोटी पर उनका चढ़ना, दुनिया की कठिन पर्वत चढ़ाइयों में गिना जाता है. इसके अलावा वह दुनिया की कठिन पर्वतमालाओं में शामिल बियाफो ग्लेशियर पर साइकिल चलाने वाली पहली महिला भी हैं. इतना ही नहीं, उहरू पिक और किलिमंजारो पर्वत पर साइकिल चलाने वाली वह पहली भारतीय महिला हैं.इन बड़ी उपलब्धियों के पीछे संघर्षों की एक लंबी और कठिन कहानी भी जुड़ी हुई है. महज 9 साल की उम्र में उन्होंने अपनी मां को खो दिया था और कुछ ही सालों बाद पिता का साया भी सिर से उठ गया. इतनी कम उम्र में माता-पिता को खोने के बाद हालात बेहद कठिन हो गए थे, लेकिन इन मुश्किलों से लड़कर उन्होंने खुद को मजबूत बनाया. संसाधनों की कमी के बावजूद उन्होंने साइकिल को अपना साथी बनाया और दुनिया देखने के अपने सपने को साकार करने की राह पर निकल पड़ीं.अपनी यात्राओं के साथ-साथ समीरा खान अब देशभर के स्कूलों में जाकर छात्राओं को प्रेरित भी करती हैं. वह छात्राओं से बातचीत कर उन्हें आगे बढ़ने, सपने देखने और अपने लक्ष्य हासिल करने का हौसला देती हैं. छात्राओं को संबोधित करते हुए समीरा ने कहा कि सपना बड़ा रखना चाहिए, क्योंकि दुनिया सभी के लिए खुली है. उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी सफर की शुरुआत हिम्मत के पहले कदम से होती है.

'बाबरी मस्जिद जरूर बनेगी, मैं किसी से डरने वाला नहीं', हुमायूं कबीर का बड़ा ऐलान

आवाज़ ए तसनीम

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज है. इस बीच, ञस्ष्ट से निकाले गए भरतपुर के विधायक हुमायूं कबीर ने घोषणा की है कि उनकी नई बनी जनता उन्नयन पार्टी 182 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. एक इंटरव्यू में हुमायूं कबीर ने नई बाबरी मस्जिद को लेकर एक बड़ा दावा किया है. एक इंटरव्यू के दौरान हुमायूं कबीर से पूछा गया कि लोग बाबरी मस्जिद के खिलाफ विरोध क्यों कर रहे हैं? क्या वे किसी दबाव में थे, या वे भी सांप्रदायिक थे?

इस सवाल का जवाब देते हुए हुमायूं कबीर ने कहा, ÷कुछ लोगों ने तो 33 साल पहले ही विवादित ढांचे को तोड़ दिया है. इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया, उसमें ऐसा कुछ नहीं बताया गया है कि किसी जमीन पर मस्जिद नहीं बनेगी. कोर्ट ने मस्जिद को दूसरी जगह बनाने के लिए 5 एकड़ जमीन भी दे दी है, लेकिन वहां पर मुसलमानों की ज्यादा आबादी नहीं है, इसलिए वहां पर मस्जिद नहीं बन पाई.÷

उन्होंने आगे कहा, 'पश्चिम बंगाल में 37 फीसद, जबकि मुर्शिदाबाद में 72 फीसद आबादी है, ऐसे में यहां पर बाबरी मस्जिद बनने से किसी को क्या तकलीफ हो सकती है? मैं सिर्फ इतना कहना चाहूंगा कि मस्जिद बनाना मेरा हक है. अपने बच्चे का कोई क्या नाम रखे, उससे दूसरे को क्या तकलीफ होनी चाहिए? कुछ लोग भड़काने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह भड़काने वाली कोई चीज नहीं है. किसी को डराना नहीं चाहिए. मैं भी इससे डरने वाला नहीं हूं.'

बाबरी मस्जिद को लेकर हुमायूं कबीर का बड़ा दावा

इस दौरान एक पत्रकार ने पूछा, ÷मस्जिद बनाने की क्या योजनाएं हैं? भविष्य के लिए क्या विजन है?÷ जवाब में हुमायूं कबीर ने कहा, ÷मैंने एक कंपनी को मस्जिद बनाने की ज़िम्मेदारी सौंपी है. मस्जिद के स्ट्रक्चर और सरकारी मंजूरी लेने सहित सभी पहलुओं पर काम चल रहा है. इसमें लगभग एक महीना लगेगा. मैं यह पक्का करने की कोशिश कर रहा हूं कि 15 फरवरी से पहले कंस्ट्रक्शन शुरू हो जाए.÷

मुर्शिदाबाद में एक नई बाबरी मस्जिद

गौरतलब है कि 6 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक नई बाबरी मस्जिद की नींव रखी गई. इस कार्यक्रम का नेतृत्व हुमायूं कबीर ने किया था, जिन्हें बाद में तृणमूल कांग्रेस ने सस्पेंड कर दिया. नींव रखे जाने की खबर जल्द ही राजनीतिक और सामाजिक बहस का केंद्र बन गई. एक तरफ, इसे धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के तौर पर देखा गया, वहीं दूसरी तरफ, कुछ संगठनों ने इस कदम का कड़ा विरोध किया. इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई और प्रशासन ने स्थिति पर कड़ी नजर रखी.

बरेली- मुस्लिम दोस्तों के साथ बर्थडे मनाना 'अपराध', बजरंग दल ने कैफे घुसकर किया हमला

अवाज़ ए तसनीम

उत्तर प्रदेश में बजरंग दल का उत्पात बढ़ता जा रहा है. बरेली के प्रेमनगर इलाके में एक नर्सिंग छात्रा की बर्थडे पार्टी के दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मुस्लिम छात्रों की मौजूदगी की सूचना पर कैफे में हंगामा और मारपीट की. इस घटना के बाद छात्र दहशत में हैं. पुलिस ने पीड़ितों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है. माँ हिन्दू-बाप इसाई फिर किस धर्म को मानती हैं दीया मिर्ज़ा; फेल हो जाएगा आपका अंदाजा!

बजरंग दल के लोगों ने मुस्लिम छात्रों पर किया जानलेवा हमला

के बरेली में हिंदूवादी संगठनों ने एक बर्थडे पार्टी में जमकर तांडव मचाया. बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक रेस्टोरेंट में चल रही बर्थडे पार्टी में शामिल लोगों पर हमला कर दिया. बताया जा रहा है कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को किसी ने सूचना दी थी कि मुस्लिम लड़के, हिंदू लड़की के साथ बर्थडे मना रहे हैं. मौके पर पहुंचकर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर उत्पात मचाया. मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब बरेली में एक नर्सिंग कॉलेज की छात्रा अपने क्लासमेट्स के साथ बर्थडे पार्टी मना रही थी. यह डैन कैफे नाम का यह रेस्टोरेंट बरेली के प्रेमनगर थाना क्षेत्र के राजेंद्रनगर में मौजूद है. नर्सिंग कॉलेज की छात्रा अपने दोस्तों के साथ कैफे में बर्थडे सेलिब्रेशन कर ही रही थी, इसी दौरान किसी ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को सूचना दे दी कि बर्थडे पार्टी में मुस्लिम समुदाय के लड़के भी मौजूद हैं.

पार्टी में मुस्लिम छात्रों की सूचना मिलते ही किया हमला

यह बात बजरंग दल के लोगों को नागवार गुजरी. इस सूचना के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता कैफे पहुंच गए और लड़कों पर हमला कर दिया. इसकी वीडियो भी आरोपियों ने खुद ही बनाकर शेयर कर किया है. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि सैकड़ों बजरंग दल के कार्यकर्ता कैफे में %जय श्रीराम% के नारे लगाते हुए पहुंचे और पीड़ितों पर हमला कर दिया. कैफे के मैनेजर का दावा है कि इस हमले में काफी नुकसान हुआ है।

कथित प्रतिबंधित मांस के नाम पर दरिंदगी, मुस्लिम शख्स को ठंड में खंभे से बांधकर पीटा

अवाज़ तसनीम

बिहार के गोपालगंज में कथित प्रतिबंधित मांस के शक में एक मुस्लिम शख्स को हिंदूवादी संगठनों से जुड़े लोगों ने पकड़ लिया और खंभे से बांधकर पीटा. वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने शख्स को मुक्त कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया. इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. फिलहाल पुलिस ने आगे की जांच में जुटी है. माँ हिन्दू-बाप इसाई फिर किस धर्म को मानती हैं दीया मिर्ज़ा; फेल हो जाएगा आपका अंदाजा!

गोपालगंज में मुस्लिम शख्स को कथित प्रतिबंधित मांस के आरोप में पीटा

उत्तर प्रदेश से सटे राज्य बिहार में भी सांप्रदायिक तनाव बढ़ता जा रहा है. उत्तर प्रदेश में हालिया कुछ दिनों में मुसलमानों को हिंदूवादी संगठन के लोग प्रतिबंधित मांस और गोतस्करी के आरोप में निशाना बनाते रहे हैं. हिंदूवादी संगठनों के हमलों में कई लोगों की मौत हो गई है. इसी तरह के रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना बिहार के गोपालगंज से सामने आई है.मिली जानकारी के मुताबिक, बिहार के गोपालगंज जिले से कथित तौर पर प्रतिबंधित मांस की तस्करी में एक शख्स को खंभे से बांधकर पीटा गया. इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. हिंदूवादी संगठन के लोगों ने बाद में पीड़ित को पुलिस के हवाल कर दिया. इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है. न सिर्फ मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बल्कि बहुसंख्यक समुदाय के लोगों ने शख्स की बर्बरता से पिटाई की कड़ी निंदा की है. यह घटना गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र के मठिया इलाके की बताई जा रही है. जानकारी के मुताबिक, बीते दिन एक बाइक सवार शख्स को हिंदूवादी संगठन के लोगों ने ग्रामीणों के साथ महज शक पर रोका. हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपियों ने पीड़ित शख्स की जबरन तलाशी लेनी शुरू कर दी. आरोपियों ने दावा किया कि पकड़े गए शख्स के पास से एक बॉक्स मिला, जिसमें कथित प्रतिबंधित मांस रखा हुआ था. इसकी जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता और ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए. आरोप है कि हिंदूवादी संगठन के लोगों ने शख्स की बेरहमी से पिटाई की और कड़ाके की ठंड़क में उसे बिजली के खंभे से बांध दिया. वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक शख्स कह रहा है कि इनके पास से प्रतिबंधित मांस मिला है और पास में एक मंदिर है. इसकी मंशा शायद इसे मंदिर में फेंकने की थी. वीडियो बनाने वाला आरोप लगाता है कि इसकी बाइक भी शायद चोरी की है.वहीं, वायरल वीडियो को लेकर कई लोगों ने बिहार में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया. उनका कहना है कि बगैर जांच के हिंदूवादी संगठन के लोगों ने यह कैसे तय कर लिया है कि उसके पास प्रतिबंधित मांस है. कड़कड़ाती ठंडक में मंदिर के पास खुले में बांधे जाने को लेकर भी लोगों ने हिंदूवादी संगठनों पर जमकर हमला बोला. हिंदूवादी संगठनों के जरिये पकड़े गए शख्स की पहचान अहमद आजाद के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि वह सिवान जिले के बरहड़िया थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि वह कथित प्रतिबंधित मांस को बाइक से घूम-घूमकर बेच रहा था. घटना की सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने आरोपी को ग्रामीणों से मुक्त कराया और अपने कब्जे में लिया. इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.पुलिस ने कार्रवाई के दौरान मौके से कथित प्रतिबंधित मांस और बाइक को जब्त कर लिया है. मामले को लेकर नगर थाना पुलिस ने आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है.

मुसलमानों की आबादी वाले बयान पर घिरे हिमंता बिस्वा सरमा, CPIM ने कहा- अगर 85% हिंदू आबादी...

अवाज़ ए तसनीम

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के मुसलमानों की आबादी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर सीपीआई (एम) नेता हन्नान मोल्लाह ने तीखा पलटवार किया. उन्होंने बयान को बेवकूफी भरा बताते हुए इसे डर फैलाने, फासीवादी सोच और मुस्लिम विरोधी एजेंडे का हिस्सा करार दिया.हन्नान मोल्लाह का हिमंता बिस्वा सरमा को करारा जवाब (फाइल फोटो)ष्ठद्गद्यद्धद्ब ह्द्ग2ह्य ञ्शस्त्रड्ड4- असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं. हिमंता बिस्वा सरमा पर लगातार कथित मुस्लिम विरोधी बयान देने के आरोप लगते रहे हैं. इसकी वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती है. वहीं, अब हिमंता बिस्वा सरमा ने एक बार फिर मुसलमानों को लेकर विवादित बयान दिया. सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने दावा किया था कि असम में मुसलमानों की आबादी तेजी से बढ़ रही है और अगर यही स्थिति रही तो असम बांग्लादेश बन जाएगा.

हन्नान मोल्लाह ने हिमंता बिस्वा सरमा को दिया करारा जवाब

हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित दावे के बाद न सिर्फ आम लोगों ने बल्कि सियासी गलियारों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली. असम के मुख्यमंत्री के बयान पर हन्नान मोल्लाह ने कड़ा पलटवार करते हुए इसे %पूरी तरह बेवकूफी भरा% करार दिया है. नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में सीपीआई (एम) नेता हन्नान मोल्लाह ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री का दावा सच होता, तो आज भारत में 85 फीसदी हिंदू आबादी होना ही संभव नहीं होता. उन्होंने सवाल उठाया कि इस तरह के बयान महज डर फैलाने और एक खास एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दिए जाते हैं.हन्नान मोल्लाह ने आरोप लगाया कि इस तरह की बयानबाजी संघ परिवार के लिए सिर्फ एक बहाना है. उन्होंने फासीवाद की कार्यप्रणाली को समझाते हुए कहा कि इसके तीन-चार मुख्य सिद्धांत होते हैं. पहला, लोकतंत्र को खत्म करना और संविधान को कमजोर करना. दूसरा, किसी एक समुदाय को निशाना बनाकर उसके खिलाफ नफरत फैलाना और बाकी समाज को भड़काना. तीसरा, झूठ को बार-बार आत्मविश्वास के साथ दोहराना, ताकि लोग उसे सच मानने लगें.सीपीआई (एम) नेता ने लिंचिंग की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में पहले इस तरह की घटनाएं आम नहीं थीं. मोल्लाह के मुताबिक, बजरंग दल जैसे संगठनों के उभरने के बाद ऐसी घटनाएं बढ़ीं, जिनमें संघ से जुड़े तत्व शामिल रहे. उन्होंने दावा किया कि देश में मुसलमानों और दलितों के खिलाफ 400 से ज्यादा लिंचिंग की घटनाएं हो चुकी हैं. इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और विरोध के स्वर उठने के बाद भी कई राज्यों में सत्ताधारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी या तो चुप रहती है या फिर ऐसे कृत्यों को सही ठहराती नजर आती है.बंगाल का जिक्र करते हुए मोल्लाह ने कहा कि वहां भी मुसलमानों को इसी तरह निशाना बनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि फासीवादी विचारधारा लोकतांत्रिक तरीके से आगे नहीं बढ़ सकती. पहले एक समुदाय को टारगेट किया जाता है, फिर समाज में नफरत फैलाई जाती है और उसी नफरत के सहारे संगठन खड़ा किया जाता है. उन्होंने पाकिस्तान की जमात-ए-इस्लामी को दक्षिणपंथी संगठन बताते हुए उसकी तुलना संघ से की और कहा कि बंगाल में सुवेंदु अधिकारी लगातार मुसलमानों के खिलाफ प्रचार करते रहते हैं.नूर एयरबेस से जुड़े मुद्दे पर क्या कहा?भारत-पाकिस्तान तनाव पर बोलते हुए मोल्लाह ने पाकिस्तानी अधिकारियों के नूर खान एयरबेस से जुड़े बयान का हवाला दिया. उन्होंने कहा कि जब कोई अधिकारी खुलकर बोलता है, तो उसमें कुछ न कुछ सच्चाई हो सकती है. लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत और पाकिस्तान के बीच इस तरह के हमले और बयानबाजी यूं ही चलती रहेगी. मोल्लाह के मुताबिक, दोनों देश एक-दूसरे के बयानों पर प्रतिक्रिया देने के एक तय पैटर्न में फंसे हुए हैं. उन्होंने जोर देकर कहा कि पड़ोस में सद्भाव होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से दोनों देश अपनी-अपनी राजनीति के हिसाब से कदम उठा रहे हैं.

उर्दू से अस्तुति अग्रवाल का PM युवा लेखक फेलोशिप में चयन, सरोंज का नाम रोशन

अवाज़ ए तसनीम

उर्दू लेखिका अस्तुति अग्रवाल को प्रधानमंत्री युवा लेखक फेलोशिप योजना के लिए चुना गया है. उन्हें मेंटरशिप देगा, 6 महीने बाद उनकी किताब पब्लिश होगी और उन्हें हर महीने 50 हजार की स्कॉलरशिप मिलेगी.केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया ने प्रधानमंत्री युवा लेखक फेलोशिप योजना के तीसरे एडिशन के नतीजे घोषित कर दिए हैं. इस प्रतिष्ठित योजना के तहत देश भर की 22 भाषाओं के कुल 43 युवा लेखकों को चुना गया है. इस योजना का मकसद 30 साल से कम उम्र के उभरते लेखकों को ट्रेनिंग, मेंटरशिप और प्रकाशन के मौके देकर भारतीय संस्कृति, ज्ञान परंपराओं और साहित्य को बढ़ावा देना है.उर्दू भाषा कैटेगरी से अस्तुति अग्रवाल और मुहम्मद यूसुफ को चुना गया है. अस्तुति अग्रवाल मध्य प्रदेश के सारंगपुर शहर की रहने वाली हैं. उनकी इस उपलब्धि से न सिर्फ सारंगपुर बल्कि पूरे राज्य के साहित्यिक समुदाय में खुशी की लहर है.सिलेक्शन प्रोसेस के दौरान NBT ने प्रतिभागियों से तीन अलग-अलग थीम पर पांडुलिपियां मंगवाई. लिखित सिलेक्शन के बाद उम्मीदवारों को एक सख्त इंटरव्यू प्रोसेस से गुजरना पड़ा. अस्तुति अग्रवाल ने प्राचीन भारतीय ग्रंथों की शिक्षाओं, दर्शन और समकालीन प्रासंगिकता पर आधारित अपनी पांडुलिपि भारतीय प्रार्थना प्रणाली उपशीर्षक के तहत जमा की, जिसकी जूरी ने खास तौर पर तारीफ की.इस फेलोशिप के तहत चुने गए लेखकों को नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा दिए गए अनुभवी मेंटर्स से छह महीने की मेंटरशिप मिलेगी. इस अवधि के बाद संशोधित पांडुलिपि को एक किताब के रूप में प्रकाशित किया जाएगा. इसके अलावा लेखकों को छह महीने के लिए प्रति माह 50,000 रुपये की स्कॉलरशिप और 10 फीसद की आजीवन रॉयल्टी मिलेगी.अस्तुति अग्रवाल एक साहित्यिक परिवार से आती हैं. वह अहले अग्रवाल और गीता अग्रवाल की बेटी हैं, जो प्रतिष्ठित उर्दू तिमाही पत्रिका %इंतिसाब% के संस्थापक हैं और %इंतिसाब% और मासिक %आलमी जुबान% के उप-संपादक के रूप में भी काम करते हैं. अस्तुति की अनुवादित किताब, ÷मानवता और प्रेम- कवि साहिर लुधियानवी÷ (अंग्रेजी से उर्दू), पिछले साल प्रकाशित हुई थी. उन्होंने सैफी सरवंची के साथ प्रोफेसर खालिद महमूद पर आधारित एक किताब का सह-संपादन भी किया है. अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए, अस्तुति अग्रवाल ने अपने माता-पिता, शिक्षकों और मेंटर्स को श्रेय दिया और कहा कि यह उपलब्धि उन्हें उर्दू साहित्य के लिए और भी गंभीरता से काम करने के लिए प्रेरित करेगी.

'पश्चिम बंगाल में इस बार तख्तापलट जरूर होगा, मुसलमान...', हुमायूं कबीर का बड़ा दावा

अवाज़ ए तसनीम

अगले साल पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. इस बीच भरतपुर के विधायक और तृणमूल कांग्रेस के पूर्व सदस्य हुमायूं कबीर ने एक चौंकाने वाला दावा किया है. पूरी कहानी पढ़ने के लिए नीचे स्क्रॉल करें.भरतपुर से विधायक और तृणमूल कांग्रेस से निकाले गए हुमायूं कबीर ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं. उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपनी चुनावी तैयारियों पर चर्चा की. एक इंरव्यू के दौरान एक सवाल के जवाब में हुमायूं कबीर ने दावा किया कि इस बार पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन होगा. उन्होंने कहा, ÷इस बार निश्चित रूप से सत्ता परिवर्तन होगा. अब तक मुसलमान कभी किसी के अधीन नहीं रहे हैं. मैं हर जगह यह घोषणा करूंगा कि मुसलमानों को किसी के अधीन नहीं रहना चाहिए.÷उन्होंने अपील की, ÷मुसलमानों को किसी के अधीन नहीं रहना चाहिए. उन्हें सिर्फ अल्लाह के अधीन रहना चाहिए. मैं यही बात सबको बताना चाहता हूं.÷ हुमायूं कबीर ने ममता सरकार पर मुसलमानों के साथ विश्वासघात करने का गंभीर आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी के दरवाजे दूसरी पार्टियों के लोगों के लिए खुले हैं. उन्होंने कहा, ÷मेरी पार्टी के दरवाजे सबके लिए खुले हैं. मैं सबका स्वागत करूंगा. उन्हें मेरी पार्टी में आना चाहिए. सभी पार्टियों ने मुसलमानों के साथ विश्वासघात किया है.ममता बनर्जी भी कई सालों से सत्ता में हैं. उन्होंने भी मुसलमानों के साथ विश्वासघात किया है. मुस्लिम समुदाय के लोगों को उन्हें मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए.÷

उन्होंने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी और इंडियन सेक्युलर फ्रंट (ढ्ढस्स्न) के विधायक नौशाद सिद्दीकी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने और मुसलमानों का नेतृत्व करने की बात कही. उन्होंने कहा, ÷मैं उन्हें एक साथ लाने की कोशिश कर रहा हूं. ओवैसी साहब एक समझदार और जाने-माने व्यक्ति हैं. वह सांसद भी हैं. नौशाद सिद्दीकी मेरे बेटे जैसे हैं. वह भी विधायक हैं.÷ उन्होंने आगे कहा, ÷मुसलमानों को किस तरह की आज़ादी मिलनी चाहिए? यह काम उन्हें एक साथ लाकर किया जाना चाहिए. मुझे लगता है कि मैं नौशाद सिद्दीकी और ओवैसी साहब की पार्टियों को एक साथ लाकर चुनाव लड़ूंगा. मुझे उम्मीद है कि हम मुर्शिदाबाद में 17 सीटें जीतेंगे.

نئی ایئر لائن الہند ایئر کے مالک محمد حارث ٹی کون ہیں؟

آوازِ تسنیم

ہندوستان کا ہوابازی شعبہ ایک بامعنی اور فیصلہ کن تبدیلی کے دہانے پر کھڑا ہے، جہاں شنکھ ایئر، الہند ایئر اور فلائی ایکسپریس جیسی تین نئی ایئر لائنز کے ابھرنے سے اس صنعت میں نئی حرکیات پیدا ہورہی ہیں۔ ایسے وقت میں جب فضائی سفر چند افراد کی عیاشی سے نکل کر لاکھوں لوگوں کی روزمرہ ضرورت بن چکا ہے، ان نئی ایئر لائنز کا داخلہ منڈی میں ایک شعوری اور پالیسی پر مبنی ازسرنو ترتیب کی علامت ہے۔ اس پیش رفت کا وسیع تر مقصد واضح ہے۔ مسابقت کو فروغ دینا، ہوائی کرایوں میں استحکام لانا اور چند بڑی ایئر لائنز کے غیر متناسب غلبے کو بتدریج کم کرنا۔ ان تین مجوزہ ایئر لائنز میں الہند ایئر نے خاص طور پر توجہ حاصل کی ہے، محض اپنے کاروباری منصوبے کی وجہ سے نہیں بلکہ اپنے بانی کی داستان کے باعث بھی۔ محمد حارث، جو اقلیتی پس منظر سے تعلق رکھتے ہیں، ایک ایسی کہانی کی نمائندگی کرتے ہیں جہاں استقامت، ذاتی جدوجہد اور جذباتی مضبوطی مل کر کاروباری کامیابی کی شکل اختیار کرتی ہیں۔ ان کا سفر اس وسیع تر حقیقت کی طرف اشارہ کرتا ہے کہ تجربے سے جنم لینے والی امنگیں ہی بڑے اور پائیدار منصوبوں کی مضبوط بنیاد بنتی ہیں۔ محمد حارث الہند گروپ آف کمپنیز کے بانی اور سرپرست ہیں اور انہیں سفر اور سیاحت کی صنعت میں دہائیوں پر محیط تجربہ حاصل ہے۔ وہ انڈین حج عمرہ اسوسی ایشن کے بانی جنرل سکریٹری بھی ہیں، ایک ایسا منصب جس نے انہیں مذہبی سفر، لاجسٹکس اور بڑے پیمانے پر انسانی نقل و حرکت کے سنگم پر لا کھڑا کیا ہے۔ کیلی کٹ میں پیدا ہونے والے حارث نے تاریخ اور معاشیات میں بی اے کی تعلیم حاصل کی، جس کے بعد فارماکولوجی میں ڈگری مکمل کی۔ ان کا متنوع تعلیمی پس منظر ان کی پیشہ ورانہ سوچ اور وژن میں نمایاں طور پر جھلکتا ہے۔

کیرالا میں قائم ایک تجربہ کار سفر و سیاحت کے گروپ کی سرپرستی میں الہند ایئر خود کو ایک علاقائی مسافر ایئر لائن کے طور پر پیش کررہی ہے جس کے عزائم خاصے وسیع ہیں۔ الہند گروپ وقت کے ساتھ ایک جامع سفری خدمات فراہم کرنے والے ادارے میں ڈھل چکا ہے، جو ٹکٹنگ اور ٹور مینجمنٹ سے لے کر خصوصی زیارتی سفر تک مختلف سہولیات مہیا کرتا ہے۔ برسوں کے دوران اس کا عالمی دائرہ نمایاں طور پر پھیل چکا ہے، جس میں خلیجی خطے اور جنوبی ایشیا کے کئی ممالک شامل ہیں، جیسے متحدہ عرب امارات، سعودی عرب، قطر، عمان، بنگلہ دیش اور کویت۔ اس بین الاقوامی موجودگی نے گروپ کو متنوع ثقافتی پس منظر رکھنے والے صارفین کی خدمت کا موقع فراہم کیا ہے۔ الہند گروپ آف کمپنیز کے تحت الہند ایئر اب ہوابازی کے شعبے میں ایک علاقائی مسافر ایئر لائن کے طور پر قدم رکھنے کی تیاری کر رہی ہے، جس کی پروازیں رواں سال کے اواخر میں شروع ہونے کی توقع ہے۔ ایئر لائن کا منصوبہ ہے کہ وہ ابتدا میں اے ٹی آر بہتر طیاروں کے بیڑے کے ساتھ اپنی خدمات کا آغاز کرے اور اندرون ملک موثر اور قابل اعتماد فضائی رابطہ فراہم کرنے پر توجہ دے۔ اس کا خاص زور ان علاقائی راستوں پر ہوگا جو عموماً نظرانداز رہتے ہیں، جو حکومت کے آخری حد تک فضائی رابطہ مضبوط بنانے کے وژن سے ہم آہنگ ہے۔

1990 میں قائم ہونے والا الہند گروپ ایشیا کی سفر اور ٹور مینجمنٹ صنعت میں بتدریج ایک معتبر نام بن چکا ہے۔ تین دہائیوں سے زائد عرصے پر محیط اس کی ترقی آپریشنل اعتماد اور شعبہ جاتی بصیرت پر استوار رہی ہے۔ سفر اور ہوابازی سے متعلق خدمات کے مختلف شعبوں کو تشکیل دینے میں گروپ کے کردار نے اسے صنعت میں اعتماد اور وقار عطا کیا ہے۔

ان تمام پیش رفتوں کا پالیسی پس منظر مرکزی وزیر برائے شہری ہوابازی رام موہن نائیڈو کنجاراپو کے بیانات سے بھی واضح ہوتا ہے۔ ایک حالیہ بیان میں انہوں نے بتایا کہ گزشتہ ایک ہفتے کے دوران ان کی ملاقات شنکھ ایئر، الہند ایئر اور فلائی ایکسپریس کی ٹیموں سے ہوئی۔ جہاں شنکھ ایئر کو وزارت کی جانب سے پہلے ہی عدم اعتراض سرٹیفکیٹ مل چکا ہے، وہیں الہند ایئر اور فلائی ایکسپریس کو اسی ہفتے منظوری دی گئی۔ وزیر نے اس بات کا اعادہ کیا کہ نئی ایئر لائنز کی حوصلہ افزائی وزارت کی ترجیح ہے، خاص طور پر اس پس منظر میں کہ ہندوستان دنیا کی تیزی سے ترقی کرتی ہوئی ہوابازی منڈیوں میں شامل ہے، جس کا سہرا وزیر اعظم نریندر مودی کی حکومت کی پالیسیوں کو دیا جا رہا ہے۔

انہوں نے اڑان جیسی اسکیموں کے اثرات کو بھی اجاگر کیا، جن کی بدولت اسٹار ایئر، انڈیا ون ایئر اور فلائی اکیانوے جیسی چھوٹی ایئر لائنز نے علاقائی رابطہ مضبوط بنانے میں اہم کردار ادا کیا ہے۔ وزارت کے مطابق، خاص طور پر ٹائر دو اور ٹائر تین شہروں میں مزید توسیع کے وسیع امکانات موجود ہیں۔

جیسے جیسے ہندوستان کا ہوابازی نظام پختگی کی جانب بڑھ رہا ہے، الہند ایئر جیسے نئے کھلاڑیوں کی آمد محض اضافی گنجائش ہی نہیں بلکہ مواقع کی ازسرنو تقسیم کی علامت بھی ہے۔ یہ ایک ایسے شعبے کی عکاسی کرتی ہے جو بتدریج ملکیت کے تنوع، علاقائی مہارت اور شمولیتی ترقی کی جانب کھل رہا ہے۔ اگر اس نئی لہر کو نظم و ضبط اور وژن کے ساتھ عملی جامہ پہنایا گیا تو یہ بھارت کیلئے ایک زیادہ مسابقتی، قابل رسائی اور مضبوط ہوابازی منظرنامے کی بنیاد رکھ سکتی ہے۔

☆☆☆

مسجد کی تعمیر کیلئے سکھ خاتون نے 5 مرلہ زمین عطیہ کردی

آوازِ تسنیم

ملک میں ایک سکھ خاتون کی جانب سے بین المذاہب ہم آہنگی اور مذہبی احترام کی ایک مثال دیکھنے میں آئی ہے۔ رپورٹ کے مطابق ریاست پنجاب کے ضلع فتح گڑھ صاحب کے ایک گاؤں میں مسجد کی تعمیر کے لیے 75 سالہ سکھ خاتون نے اپنی زمین عطیہ کردی اور یہی نہیں سکھ اور ہندو خاندانوں نے بھی مالی تعاون فراہم کیا۔ رپورٹ کے مطابق جکھوالی گاؤں میں سکھ، ہندو اور مسلمان خاندان کئی سالوں سے آباد ہیں۔ اس گاؤں میں گوردوارہ اور مندر تو موجود تھا مگر مسجد نہ ہونے کے باعث مسلمانوں کو نماز کی ادائیگی کیلئے قریبی گاؤں جانا پڑتا تھا۔ اس حوالے سے بزرگ مسلمانوں اور سفری سہولیات سے محروم افراد کو مشکلات کا سامنا کرنا پڑتا تھا۔ رپورٹ کے مطابق زمین عطیہ کرنے والی خاتون بی بی راجندر کور کا کہنا ہے کہ مسلم ہمسایوں کی اس مشکل کو دیکھتے ہوئے تقریباً 5 مرلے زمین مسجد کے لیے دینے کا فیصلہ کیا۔ رپورٹ کے مطابق زمین بی بی راجندر کور کے نام تھی جسے قانونی طور پر مسلم کمیٹی کے نام منتقل کردیا گیا۔ گاؤں کے پنچ اور خاندان کے ایک رکن مونو سنگھ نے کہا کہ سرکاری زمین مذہبی تعمیر کیلئے نہیں دی جاسکتی تھی اس لیے ذاتی زمین عطیہ کی گئی۔ مسجد کمیٹی کے صدر کالا خان نے اس اقدام پر اظہارِ تشکر کرتے ہوئے کہا کہ مختلف برادریوں کے درمیان تعلقات مثالی ہیں اور امید ہے کہ فروری تک مسجد کی تعمیر مکمل ہوجائے گی۔ انہوں نے مزید کہا کہ تمام مذاہب سے تعلق رکھنے والے افراد نے مسجد کی تعمیر کے لیے چندہ دیا اور اب تک ساڑھے 3 لاکھ روپے جمع ہو چکے۔

ایرانی سائنسدان ڈاکٹر مریم نوری بالانجی نے امریکہ میں منعقدہ سائنسدانوں کا عالمی ایوارڈ اپنے نام کرلیا

آوازِ تسنیم

اسلامی جمہوریہ ایران کی محقق خاتون ڈاکٹر مریم نوری بالانجی نے دانشوروں اور سائنسدانوں کا عالمی امریکی ایوارڈ اپنے نام کرلیا ہے۔ واضح رہے یہ اعزاز، ڈاکٹر مریم نے دواؤں پر تحقیق کی بنا پر حاصل کیا ہے۔ ڈاکٹر مریم نوری بالانجی کا تعلق ایران کے فری زون قشم سے ہے اور انہوں نے دوسری بار اس اہم ایوارڈ کو اپنے نام کیا ہے۔ یاد رہے کہ ڈاکٹر مریم کی ایجاد کردہ دوا کینسر کے خلیوں کی نشوونما کو روکنے اور مختلف اقسام کے ٹیومر کے علاج میں مؤثر ثابت ہوئی ہے۔ یہ دوا نہ صرف انجکشن کی شکل میں موجود ہے بلکہ یہ ٹیبلیٹ کی شکل میں بھی موجود ہے۔ ڈاکٹر مریم نوری بالانجی نے ایک بین الاقوامی ٹیم کے ساتھ مل کر اس دوا کی تخلیق کی ہے، جس میں کینیڈین ماہرین بھی شامل ہیں۔ کیلیفورنیا میں منعقدہ ایجادات کے 2025 کے بین الاقوامی فیسٹیول میں، ان کی پوری ٹیم کو ایجادات کے شعبے میں پہلا انعام اور سونے کا تمغہ دیا گیا جو کہ ان کی محنت اور کامیابی کا منہ بولتا ثبوت ہے۔ ایرانی یہ نوجوان خاتون محقق اپنی شاندار کامیابیوں کے ذریعے نہ صرف ملکی، بلکہ عالمی سطح پر بھی سائنسی تحقیق میں نمایاں مقام حاصل کررہی ہیں۔

تنظیم کو مستحکم کرنا ضروری
ڈگ وجے سنگھ کو ششی تھرور کی تائید

آوازِ تسنیم

کانگریس کے 140 ویں یوم تاسیس پر نئی دہلی میں پارٹی ہیڈکوارٹر میں ایک تقریب میں اتوار کے دن ششی تھرور نے یہ کہتے ہوئے اپنے پارٹی ساتھی ڈگ وجے سنگھ کی رائے کی تائید کی کہ تنظیم کو مستحکم کیا جانا چاہیئے۔ اندرا بھون میں پارٹی کی تقریب میں ششی تھرور، ڈگ وجے سنگھ کے بازو بیٹھے تھے۔ ڈگ وجے سنگھ نے ہفتہ کے دن آر ایس ایس۔ بی جے پی کی تنظیمی طاقت کی ستائش کرتے ہوئے سنسنی پھیلادی تھی۔ انہوں نے نریندر مودی کی پرانی تصویر شیئر کرتے ہوئے کہا تھا کہ نچلی سطح کا ایک ورکر جو اپنے قائدین کے قدموں میں بیٹھتا تھا کس طرح ترقی کرتے ہوئے چیف منسٹر اور پھر وزیر اعظم بن گیا۔ انہوں نے گرام پنچایت کی سطح پر کانگریس کو مستحکم کرنے کا مسئلہ اٹھایا تھا۔

سکیب الغنی، لسٹ اے میں تیز ترین سنچری بنانے والے ہندوستانی
بہار کے کپتان نے ویبھو سوریا ونشی کا ریکارڈ محض ایک گھنٹے میں توڑ دیا

آوازِ تسنیم

دسمبر کی 24 تاریخ ہندوستانی گھریلو کرکٹ کی تاریخ میں سنہری حروف سے لکھا جائے گا۔ وجے ہزارے ٹرافی کے پہلے ہی دن ریکارڈز کی ایسی بارش ہوئی کہ پرانے تمام اعداد و شمار قصہ پارینہ بن گئے۔ اس تاریخی دن کا محور تین 'بہاری' کھلاڑی سکیب الغنی، ویبھو سوریہ ونشی اور ایشان کشن رہے جنہوں نے اپنی پاور ہٹنگ سے کرکٹ کی دنیا کو حیران کردیا اور یہ بھی ثابت کردیا کہ ہندوستانی کرکٹ کا ٹیلنٹ خاص طور پر بہار اور جھارکھنڈ کے خطے سے کس تیزی سے ابھر رہا ہے۔ ایک ہی دن میں 3 برق رفتار سنچریاں اور ایک عالمی ریکارڈ اس بات کی گواہی ہے کہ کرکٹ کا انداز اب مکمل طور پر بدل چکا ہے۔ سکیب الغنی بہار ٹیم کے کپتان ہیں جبکہ ویبھو بہار کے اوپنر ہیں۔ ایشان جھارکھنڈ کیلئے کھیلتے ہیں لیکن ان کا خاندان بہار میں رہتا ہے اور وہ بہار سے ہیں۔ بہار ٹیم کے کپتان سکیب الغنی نے وہ کارنامہ انجام دیا جو اس سے قبل کوئی ہندوستانی نہ کرسکا تھا۔ انہوں نے اروناچل پردیش کے خلاف محض 32 گیندوں پر سنچری بنا کر ہندوستان کی طرف سے لسٹ۔اے کرکٹ میں تیز ترین سنچری کا ریکارڈ اپنے نام کرلیا۔ 40 گیندوں پر ناٹ آؤٹ 128 رنز بنائے جس میں 10 چوکے اور 12 فلک بوس چھکے شامل ہیں۔ انہوں نے اپنی ہی ٹیم کے اوپنر ویبھو کا ریکارڈ محض ایک گھنٹے کے اندر توڑ دیا۔ سکیب الغنی 2 ستمبر 1999 کو موتیہاری میں پیدا ہوئے۔ 26 سالہ سکیب الغنی بہار کرکٹ میں مستقل کارکردگی کا مظاہرہ کرتے رہے ہیں۔ اروناچل پردیش کے خلاف محض 32 گیندوں پر تیز ترین سنچری لگانے والے سکیب الغنی کوئی اتفاقی نام نہیں ہیں بلکہ وہ گزشتہ کئی برسوں سے بہار کی کرکٹ ٹیم کا ایک مضبوط ستون رہے ہیں۔ ان کی حالیہ تاریخی کارکردگی ان کی برسوں کی محنت اور مسلسل فارم کا نتیجہ ہے۔ سکیب الغنی نے اپنے پیشہ ورانہ کرکٹ (لسٹ۔اے) کا آغاز 17 اکتوبر 2019 کو وجے ہزارے ٹرافی کے دوران کیا تھا۔ تب سے اب تک وہ مسلسل 3 چار سیزن سے بہار کی ٹیم کا لازمی حصہ بنے ہوئے ہیں۔ انہوں نے گھریلو کرکٹ کے تمام فارمیٹس میں اپنی صلاحیتوں کا لوہا منوایا ہے۔ انہوں نے رانجی ٹرافی (فرسٹ کلاس) کے طویل فارمیٹ میں رنز کے انبار لگا کر توجہ حاصل کی۔ سید مشتاق علی ٹرافی (ٹی 20) میں اپنی جارحانہ بیٹنگ کی بدولت حال ہی میں ٹیم کے نائب کپتان (وائس کیپٹن) مقرر کیے گئے۔ وجے ہزارے ٹرافی (ونڈے) میں انہوں نے نہ صرف کپتانی کی بلکہ ہندوستان کی تیز ترین سنچری کا ریکارڈ بنا کر اپنا نام تاریخ میں درج کرالیا۔ سکیب الغنی کی قیادت اور بیٹنگ میں پختگی کو دیکھتے ہوئے بہار کرکٹ اسوسی ایشن نے ان پر بھرپور اعتماد ظاہر کیا ہے۔ گزشتہ چند سیزن میں ان کی کارکردگی میں غیر معمولی تسلسل دیکھا گیا ہے جس کی وجہ سے وہ اب ڈومیسٹک کرکٹ کے خطرناک ترین بلے بازوں میں شمار کیے جارہے ہیں۔ ماہرین کا کہنا ہے کہ جس طرح سکیب الغنی نے 2019 میں ڈیبیو کے بعد سے خود کو نکھارا ہے وہ دن دور نہیں جب وہ ہندوستانی قومی ٹیم کے دروازے پر دستک دیتے نظر آئیں گے۔ انہوں نے اپنی کرکٹ کی بنیادی تعلیم مقامی اکیڈمی سے حاصل کی جہاں ان کی تکنیک کو نکھارا گیا۔ سکیب الغنی کے نام صرف یہ حالیہ ریکارڈ ہی نہیں بلکہ ان کا پورا کیریئر حیرت انگیز رہا ہے۔ سکیب الغنی دنیا کے پہلے بلے باز ہیں جنہوں نے اپنے پہلے فرسٹ کلاس (رانجی ٹرافی) میچ میں ٹرپل سنچری (341 رنز) اسکور کی تھی۔ وجے ہزارے ٹرافی میں 32 گیندوں پر سنچری بنا کر انمول پریت سنگھ (35 گیندیں) کا ریکارڈ توڑ دیا۔ وہ نہ صرف ایک جارح مزاج دائیں ہاتھ کے بلے باز ہیں بلکہ دائیں ہاتھ سے میڈیم رفتار گیند بازی بھی کرتے ہیں۔ واضح رہے کہ بہار کے کپتان سکیب الغنی انڈر 19 ورلڈکپ میں بھی ہندوستانی ٹیم کی نمائندگی کرکے اپنی صلاحیتوں کا لوہا منوا چکے ہیں۔

بی ایم سی الیکشن سے قبل شیوسینا یو بی ٹی۔ ایم این ایس اتحاد کا اعلان
ورلی کی لکژری ہوٹل میں ادھو ٹھاکرے اور راج ٹھاکرے کی مشترکہ پریس کانفرنس

آوازِ تسنیم

کئی ماہ سے جاری قیاس آرائیاں ختم کرتے ہوئے شیوسینا (یو بی ٹی) قائد ادھو ٹھاکر اور مہاراشٹرا نونرمان سینا (ایم این ایس) کے صدر راج ٹھاکرے نے چہارشنبہ کے دن اپنی پارٹیوں کے اتحاد کا باقاعدہ اعلان کردیا۔ یہ اعلان 15 جنوری کے بریہن ممبئی میونسپل کارپوریشن (بی ایم سی) الیکشن سے قبل ہوا ہے۔ ممبئی میں راج ٹھاکرے کے ساتھ مشترکہ پریس کانفرنس سے خطاب میں ادھو ٹھاکرے نے کہا کہ دونوں جماعتیں متحد رہنے کیلئے اکٹھا ہوئی ہیں۔ رشتہ کے بھائیوں نے کہا کہ وہ مراٹھی مانو اور مہاراشٹرا کے کاز کیلئے متحد ہوئے ہیں۔ انہوں نے کہا کہ ان کے دادا سماجی مصلح اور قلمکار پربودھنکر ٹھاکرے سمیوکت مہاراشٹرا مومنٹ کے اہم قائد تھے۔ اسی طرح ان کے والد بال ٹھاکرے اور انکل سریکانت ٹھاکرے بھی اہم قائدین میں شمار ہوتے تھے۔ سریکانت ٹھاکرے راج ٹھاکرے کے باپ تھے جنہوں نے یہ یقینی بنایا تھا کہ ممبئی مہاراشٹرا کا حصہ برقرار رہے۔ راج ٹھاکرے نے کہا کہ ممبئی کا میئر مراٹھی ہوگا اور ہمارا ہوگا۔ ادھو ٹھاکرے نے کہا کہ دونوں جماعتوں نے ناسک میونسپل کارپوریشن الیکشن کیلئے نشستوں کی تقسیم کو قطعیت دے دی ہے۔ ناسک ممبئی اور دیگر 27 بلدیات میں 15 جنوری کو ووٹ ڈالے جائیں گے۔ انہوں نے کہا کہ دیگر بلدیات کے الیکشن کیلئے اتحاد کی بات چیت جاری ہے۔ بی جے پی میں جو ہو رہا ہے اسے دیکھ کر جو لوگ پریشان ہیں وہ ہمارے پاس آسکتے ہیں۔ مشترکہ پریس کانفرنس کا بڑا چرچہ تھا لیکن یہ 227 وارڈ والی بی ایم سی میں نشستوں کی تقسیم پر کسی وضاحت کے بغیر صرف 16 منٹ میں ختم ہوگئی۔ راج ٹھاکرے نے بی ایم سی الیکشن میں جس میں بہت کچھ داؤ پر لگا ہوتا ہے دونوں جماعتوں میں نشستوں کی تقسیم کی تفصیل نہیں بتائی۔ نیوز کانفرنس ورلی کی ایک لکژری ہوٹل میں ہوئی۔ ورلی شیوسینا یو بی ٹی قائد آدتیہ ٹھاکرے کا حلقہ اسمبلی ہے۔ نیوز کانفرنس میں اسٹیج پر پیچھے جو بیانر لگایا گیا تھا اس پر غیر منقسم شیوسینا کے بانی بال ٹھاکرے کی تصویر اور شیوسینا یو بی ٹی اور ایم این ایس کے پارٹی نشانات موجود تھے۔ پریس کانفرنس میں آنے سے قبل راج اور ادھو ٹھاکرے نے شیواجی پارک جاکر بال ٹھاکرے میموریل پر خراج ادا کیا۔ بعدازاں دونوں راج ٹھاکرے کی گاڑی میں ہوٹل پہنچے۔ پریس کانفرنس میں خاندانی میل میلاپ اور اتحاد دکھائی دیا۔ ادھو کی بیوی رشمی، بیٹا آدتیہ، راج ٹھاکرے کی بیوی شرمیلا اور بیٹا امیت بھی موجود تھے۔ گزشتہ برس کے اسمبلی الیکشن میں شیوسینا یو بی ٹی نے 288 کے منجملہ 20 نشستیں جیتی تھیں جبکہ ایم این ایس کا اسکور صفر تھا۔ دونوں جماعتیں اسکولوں میں سہ لسانی فارمولہ اور ہندی زبان تھوپے جانے کے حکومت مہاراشٹرا کے فیصلہ کے خلاف متحد ہوئی تھیں۔ ریاستی حکومت نے بعد ازاں یہ فیصلہ واپس لے لیا تھا جس کا جشن منانے دونوں جماعتوں نے جولائی میں مشترکہ وجئے ریالی نکالی تھی۔

بی جے پی حکومت میں سماجی انصاف خطرہ میں: انٹونی

کانگریس کے سینئر رہنما اور کیرالہ کے سابق وزیر اعلیٰ اے کے انٹونی نے اتوار کو الزام لگایا کہ بی جے پی کی قیادت والی حکومت کے تحت ملک میں سماجی انصاف کو منظم طریقے سے کمزور کیا جارہا ہے۔ انہوں نے زور دے کر کہا کہ مرکز کی پالیسیوں کا مقصد غریبوں اور پسماندہ لوگوں کے لیے فلاحی اقدامات کو کمزور کرنا ہے۔ کانگریس کے یوم تاسیس کے موقع پر یہاں کے پی سی سی ہیڈکوارٹر میں خطاب کرتے ہوئے، مسٹر انٹونی نے کہا کہ بی جے پی حکومت مہاتما گاندھی قومی دیہی روزگار گارنٹی اسکیم کے بنیادی اصولوں کو آہستہ آہستہ ختم کرنے کے ارادے سے کمزور کررہی ہے۔ انہوں نے کہا کہ یہ ملک میں سماجی انصاف پر حملے کا واضح ثبوت ہے۔ مہاتما گاندھی کے اصولوں کے مطابق مضبوط مزاحمت کا مطالبہ کرتے ہوئے، مسٹر انٹونی نے کہا کہ موجودہ حالات اصول پر مبنی اور پرامن جدوجہد کا تقاضا کرتے ہیں۔ وہ انڈین نیشنل کانگریس کے 141 ویں یوم تاسیس کی تقریبات کے حصہ کے طور پر سیوادل کے رضاکاروں سے گارڈ آف آنر لینے کے بعد اجتماع سے خطاب کررہے تھے۔

جونپور: ٹھنڈ کے باعث آٹھویں جماعت تک کے اسکول بند

اترپردیش کے ضلع جونپور میں شدید ٹھنڈ اور سردلہر کے پیش نظر ضلع مجسٹریٹ ڈاکٹر دنیش چندر کی اجازت کے بعد 29 اور 30 دسمبر 2025 کو پہلی سے آٹھویں جماعت تک کے اسکول بند رہیں گے۔ ضلع بیسک تعلیم کے افسر ڈاکٹر گورکھ ناتھ پٹیل نے بتایا کہ ضلع میں پڑنے والی شدید سردی کو دیکھتے ہوئے ضلع مجسٹریٹ کے حکم پر بچوں کیلئے تمام سرکاری، تسلیم شدہ، امداد یافتہ، سی بی ایس ای، آئی سی ایس ای اور اترپردیش بورڈ کے اسکول بند رہیں گے۔ انہوں نے کہا کہ اسکولوں کا تدریسی اور غیر تدریسی عملہ وقت پر اسکول میں حاضر ہوکر محکمہ جاتی کاموں اور دیگر سرکاری ذمہ داریوں کو معمول کے مطابق انجام دیگا۔

عبداللہ الحمید اور ایلون مسک میڈیا اور اے آئی کے مستقبل پر تبادلہ خیال کرتے ہیں

آوازِ تسنیم

جو خود کو عالمی سطح پر سب سے بڑے میڈیا ایونٹ کے طور پر بیان کرتا ہے، کا مقصد ایک ایسا بین الاقوامی پلیٹ فارم بنانا ہے جو میڈیا، مصنوعی ذہانت، تفریح اور ڈیجیٹل مواد میں جدت پسندوں، پالیسی سازوں اور صنعت کے رہنماؤں کو اکٹھا کرے۔ الحمد اور مسک نے عالمی ڈیجیٹل معیشت کی تشکیل میں مصنوعی ذہانت، روبوٹکس اور ڈیٹا سینٹر کے بنیادی ڈھانچے کے کردار پر وسیع بات چیت کی۔ مکالمے نے مستقبل کے ڈیٹا ایکو سسٹم کے بنیادی جزو کے طور پر صاف توانائی کی بڑھتی ہوئی اہمیت کو اجاگر کیا۔ مسک نے اگلی نسل کے ڈیٹا سنٹرز کو طاقت دینے کیلئے قابل توسیع، کم لاگت اور پائیدار توانائی کے ذرائع کی اہم ضرورت کو نوٹ کیا۔ الحمد نے قابل تجدید اور جوہری توانائی میں طویل مدتی قومی سرمایہ کاری کے ذریعے حمایت یافتہ پیمانے پر مسابقتی صاف توانائی کے حل فراہم کرنے کی یو اے ای کی صلاحیت پر زور دیا۔ ٹیسلا کی Optimus روبوٹکس لیب کے دورے کے دوران، الحمید کو روبوٹکس اور آٹومیشن میں کمپنی کی ترقی کے بارے میں بریفنگ دی گئی۔ یہ سہولت ہیومنائیڈ روبوٹس اور خود مختار نظام تیار کررہی ہے جو پیچیدہ ماحول میں کام کرنے کیلئے بنائے گئے ہیں جو مصنوعی ذہانت اور مشین لرننگ ٹکنالوجیز میں ٹیسلا کے بڑھتے ہوئے قدموں کی عکاسی کرتے ہیں۔ مسک نے متحدہ عرب امارات کے صدر شیخ محمد بن زید النہیان کی قیادت کی تعریف کی اور مصنوعی ذہانت میں ملک کی ابتدائی سرمایہ کاری کو اسٹریٹجک طاقت کے طور پر اجاگر کیا۔ بات چیت نے مواد کی تخلیق اور ڈیجیٹل مواصلات میں مصنوعی ذہانت کی ذمہ دارانہ ترقی اور اطلاق کی رہنمائی کیلئے عالمی ریگولیٹری معیارات کے قیام کی اہمیت پر توجہ دی۔ دونوں جماعتوں نے اخلاقی فریم ورک کی ضرورت کو تسلیم کیا جو جدت کو فعال کرتے ہوئے عوامی اعتماد کو یقینی بناتے ہیں۔ الحمید نے متحدہ عرب امارات کے مربوط ماحولیاتی نظام کا خاکہ پیش کیا جو میڈیا اور ٹکنالوجی میں جدت طرازی کی حمایت کرتا ہے۔ انہوں نے مسابقتی فوائد کے طور پر ملک کے ڈیجیٹل انفراسٹرکچر، جدت کے حامی ضوابط اور بڑھتے ہوئے ٹیلنٹ بیس کا حوالہ دیا۔ انہوں نے قومی اور بین الاقوامی تحقیقی صلاحیتوں کو آگے بڑھانے میں محمد بن زید یونیورسٹی آف آرٹیفیشل انٹلی جنس جیسے اداروں کے کردار کا بھی حوالہ دیا۔

चिकित्सा शिक्षा विभाग में सुशासन के लिए अभिनव पहल– 'ई-स्वास्थ्य संवाद' डिजिटल मंच शुरू

हर स्तर तक विभागीय समन्वय होगा मजबूत

स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं को मिलेगी गति, बढ़ेगी पारदर्शिता

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर तकनीकी नवाचारों के माध्यम से सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी कड़ी में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सुशासन, पारदर्शिता एवं प्रशासनिक दक्षता को बेहतर करने की दिशा में अभिनव पहल करते हुए डिजिटल संवाद मंच 'ई-स्वास्थ्य संवाद' शुरू किया है। यह मंच चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी हितधारकों के लिए एक समर्पित, प्रभावी और संवादपरक ई-मीटिंग ईको–सिस्टम के रूप में कार्य करेगा। इससे निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक विभागीय समन्वय मजबूत होगा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित की जा सकेगी।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि स्वास्थ्य जन–जन से जुड़ी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विषय है। विभाग का कामकाज बेहतर समन्वय और दक्षता के साथ हो सके। इस सोच के साथ 'ई-स्वास्थ्य संवाद' जैसी पहल की गई है। इसके माध्यम से चिकित्सा शिक्षा विभाग, राज-मेस के अधिकारी, सरकारी मेडिकल, नर्सिंग एवं डेंटल कॉलेजों के प्राचार्य, चिकित्सा अधीक्षक, पीएमओ, विभागाध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य, चिकित्सक, नर्सिंग एवं अन्य स्टाफ, छात्र तथा आमजन–सभी को त्वरित, पारदर्शी और समाधान-उन्मुख संवाद का सशक्त मंच प्राप्त होगा।

सप्ताह में दो दिन सीधा संवाद

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल ने बताया कि यह डिजिटल संवाद मंच प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया जाएगा, जिससे विभागीय समन्वय और निर्णय प्रक्रिया को नई गति मिलेगी। यह संवाद दो चरणों में होगा। प्रथम चरण में शाम 5ः00 बजे प्राचार्य, मेडिकल सुपरिटेंडेंट, पीएमओ एवं विभागाध्यक्षों के साथ संवाद होगा। द्वितीय चरण में शाम 6ः00 बजे से मेडिकल कॉलेजों, संबद्ध अस्पतालों की फैकल्टी, डॉक्टर्स, नर्सिंग व अन्य स्टाफ, छात्र एवं आमजन के साथ खुला संवाद होगा। सुशासन दिवस पर प्रारंभ किए गए इस नवाचार को पहले ही दिन जबरदस्त समर्थन मिला। 150 से अधिक लोकेशन से अधिकारियों, चिकित्सकों एवं विद्यार्थियों ने आनलाइन संवाद किया।

इन विषयों पर होगा संवाद

बजट घोषणाओं एवं मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी दिशा–निर्देश, संपर्क पोर्टल, सीएमआईएस, मेडलीपआर, सीपी-ग्राम्स सहित विभिन्न माध्यमों पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण, स्वास्थ्य योजनाओं एवं पहलों का समयबद्ध क्रियान्वयन, नवाचार को प्रोत्साहन तथा कॉलेजों व अस्पतालों की दैनिक समस्याओं का समाधान, नए मेडिकल व नर्सिंग कॉलेजों सहित अन्य निर्माण कार्यों की समीक्षा तथा मशीनरी एवं उपकरणों की खरीद सहित प्रशासनिक एवं वित्तीय विषयों पर इस डिजिटल संवाद में चर्चा की जाएगी।

पारदर्शी प्रक्रिया एवं त्वरित कार्यवाही का उद्देश्य होगा पूरा

इस मंच के माध्यम से हितधारक अपनी समस्याएं एवं सुझाव पूर्व निर्धारित गूगल फॉर्म पर अग्रिम रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं, हालांकि बिना एजेंडा के भी सहभागिता संभव होगी। बैठक में लिए गए निर्णयों को 'इंस्टेंट मिनट्स' के रूप में रिकॉर्ड किया जाएगा तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा 72 घंटे के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। सभी प्रकरणों की सतत निगरानी आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा कार्यालय द्वारा की जाएगी। गोयल ने बताया कि 'ई-स्वास्थ्य संवाद' चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित निर्णय प्रक्रिया को सुदृढ़ करेगा। मेडिकल कॉलेज की फैकल्टी,चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ की समस्याओं का प्रभावी समाधान होगा। मुख्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सुशासन की अवधारणा को धरातल पर साकार करने की दिशा में यह एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

RSS सह-सरकार्यवाह बोले

संविधान राष्ट्र की सामूहिक चेतना का प्रतिबिंब: अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन का समापन; न्यायिक नियुक्तियों में तेजी लाने का प्रस्ताव पारित

आवाज़ ए तसनीम

जोधपुर। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के तीन दिवसीय 17वें राष्ट्रीय अधिवेशन का रविवार को समापन हुआ। इसे संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि भारत का संविधान केवल विधि विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह भारत की सामूहिक चेतना, ऐतिहासिक अनुभवों, सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्रीय संकल्पों का जीवंत प्रतिबिंब है। बालोतरा-नाकोड़ा स्थित लालबाग रिजॉर्ट में आयोजित समापन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए अरुण कुमार ने कहा कि संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होना राष्ट्र के लिए आत्मावलोकन और आत्ममंथन का अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। समापन सत्र से पूर्व देश में न्याय व्यवस्था को मजबूत करने और समयबद्ध न्यायिक नियुक्तियों के लिए प्रस्ताव पारित किया गया।

राष्ट्र प्रथम होना चाहिए मूल मंत्र

अरुण कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल ध्येय आरंभ से ही व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण रहा है। प्रत्येक नागरिक के भीतर विशुद्ध राष्ट्रभक्ति का भाव होना चाहिए और सच्चा देशभक्त वही है, जिसके जीवन का मूल मंत्र 'राष्ट्र प्रथम' हो। स्वतंत्रता संग्राम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को स्वतंत्रता प्राप्त करने में लगभग एक हजार वर्षों का लंबा संघर्ष करना पड़ा। इसके लिए केवल बाहरी शक्तियों या परिस्थितियों को दोष देने के बजाय हमें आत्मावलोकन करना चाहिए, क्योंकि कहीं न कहीं कमियां हमारे भीतर भी रही हैं। आत्ममंथन से ही राष्ट्र का वैचारिक, सामाजिक और नैतिक पुनर्निर्माण संभव है।

सिलेक्टिव PIL समाज में विभाजन पैदा करती है

कांस्टीट्यूशनल मोरालिटी और सिलेक्टिव पीआईएल की प्रवृत्तियों पर टिप्पणी करते हुए अरुण कुमार ने कहा कि इनका दुरुपयोग सशक्त सामाजिक ढांचे को कमजोर करने और समाज में विभाजन उत्पन्न करने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रियाओं में संतुलन, संवेदनशीलता और राष्ट्रहित का समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद न्यायिक क्षेत्र में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर कार्य कर रही है। परिषद से जुड़े सभी अधिवक्ताओं का एक ही ध्येय है, 'राष्ट्र सर्वोपरि'। अधिवक्ताओं की भूमिका केवल न्यायालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज को दिशा देने और राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत कोई नया राष्ट्र नहीं है, बल्कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही एक सतत, जीवंत और समृद्ध सभ्यता की निरंतर यात्रा का नाम है।

न्यायिक नियुक्तियों में तेजी लाने का प्रस्ताव

समापन सत्र से पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। देशभर से आए प्रतिभागियों ने अपने सुझाव दिए और इसके आधार पर देश में न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए समयबद्ध न्यायिक नियुक्तियों की आवश्यकता महसूस की गई।

चित्तौड़गढ़ में राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव का ऐतिहासिक समापन

स्वदेशी, संस्कृति और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मिला जनसमर्थन– 6 दिन, 4 लाख से अधिक मेलार्थी, 3 करोड़ रुपये से ज्यादा की स्वदेशी बिक्री

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राष्ट्रीय चेतना, स्वदेशी संकल्प और सांस्कृतिक गौरव के सशक्त संदेश के साथ रविवार को 6 दिवसीय राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव का गरिमामय एवं ऐतिहासिक समापन हुआ। 23 से 28 दिसंबर तक आयोजित इस महोत्सव ने शक्ति, भक्ति और शौर्य की प्रतीक वीर भूमि चित्तौड़गढ़ को स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की पहल करने वाले जिले के रूप में स्थापित कर दिया। महोत्सव की सबसे बड़ी उपलब्धि 4 लाख से अधिक मेलार्थियों की सहभागिता और 3 करोड़ रुपये से अधिक की स्वदेशी उत्पादों की बिक्री, जिसने स्थानीय कारीगरों, लघु उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक संबल प्रदान किया। वहीं, 15 हजार महिलाओं द्वारा प्रस्तुत घूमर के विश्व कीर्तिमान ने चित्तौड़गढ़ को विश्व पटल पर सांस्कृतिक गौरव दिलाया।

स्वदेशी अपनाना ही राष्ट्र सेवा– शिक्षा मंत्री

समापन समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि भले हम सीमा पर जाकर युद्ध न कर सकें, लेकिन स्वदेशी अपनाकर देश की सेवा अवश्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्पष्ट सोच है कि भारत और राजस्थान आत्मनिर्भर बने, और इसके लिए, हमारी सोच, संकल्प और उपभोग, तीनों स्वदेशी केंद्रित होने चाहिए।

दिलावर ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की खरीद से देश के कारीगर, मजदूर और उद्योग सशक्त होते हैं, जबकि विदेशी उत्पादों की खरीद उनके परिश्रम को हतोत्साहित कर निराशा का भाव पैदा करती है। अपने संबोधन में उन्होंने गौमाता संरक्षण और उससे समाज को होने वाले आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक लाभों को भी व्यापक परिप्रेक्ष्य में रखते हुए रेखांकित किया। समारोह में उपस्थितजन को दिलावर ने स्वदेशी, गौमाता संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त समाज का संकल्प दिलाया।

स्वदेशी महोत्सव बनेगा मील का पत्थर – पशुपालन मंत्री

समारोह के विशिष्ट अतिथि पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि चित्तौड़गढ़ का यह स्वदेशी महोत्सव विकसित, आत्मनिर्भर और विश्वगुरु भारत की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि वोकल फॉर लोकल की अवधारणा को यह आयोजन नई मजबूती देगा।

आत्मनिर्भर भारत के विजन को मिली जमीन– सांसद सी.पी. जोशी

सांसद सी.पी. जोशी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और घर-घर स्वदेशी के विजन को धरातल पर उतारने का सफल प्रयास है। उन्होंने जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वयंसेवी संगठनों, कलाकारों और नागरिकों के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि स्वदेशी मेले और सांस्कृतिक आयोजनों से लोक संस्कृति और स्थानीय उत्पादों को नई पहचान मिली है। कार्यक्रम में विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, जिला कलक्टर आलोक रंजन सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

28 फरवरी को मनेगा महाराणा प्रताप राज्यारोहण दिवस

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने महाराणा प्रताप के शौर्य को पाठ्यक्रम के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने स्थानीय सांसद सी.पी. जोशी के अनुरोध पर महाराणा प्रताप के राज्यारोहण दिवस 28 फरवरी 2026 को पूरे राज्य में भव्यता से मनाए जाने की घोषणा की।

लालू की कर्ज मुक्ति की मुस्कान

समारोह में अनुभव साझा करते हुए हरियाणा के लालू ने भावुक होते हुए कहा कि इस मेले ने उन्हें कर्ज मुक्ति की नई उम्मीद दी है। उन्होंने बताया कि 60 हजार रुपये के कर्ज में से 20 हजार रुपये देशी बीज बिक्री से और 40 हजार रुपये किसान सम्मान राशि से प्राप्त हुए, जिससे वे हरियाणा लौटते ही पूरा कर्ज चुका देंगे। इस अवसर पर उत्तराखंड से आए रावत, फलोदी के लाला राम ढूंढी, प्रतापगढ़ के जितेश सोनी आदि ने भी मेले से मिले लाभ और अपने अनुभव साझा किए। स्वदेशी महोत्सव के आयोजन में उल्लेखनीय योगदान देने पर जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक राहुल देव सिंह, नाबार्ड के महेंद्र सिंह डूडी, यूआईटी की ईएन मिनाक्षी वधवानी, रवि सोनी, अभिषेक श्रीमाल, श्रीमती रेखा चौधरी, गोपाल कृष्ण जोशी, सौरभ वैष्णव एवं भरत लड्ढा का अतिथियों के द्वारा अभिनंदन किया गया।

हमारी युवा शक्ति के कारण दुनिया को भारत से उम्मीद, वर्ष 2026 में देश नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने को तैयार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचार हम सभी के लिए राष्ट्र सेवा, सामाजिक समर्पण एवं सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में निरंतर ऊर्जा और मार्गदर्शन - वन राज्यमंत्री

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 129वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने अलवर शहर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को स्थानीय निवासियों के साथ सुना।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि देश ने वर्ष 2025 में अंतरिक्ष, विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन और अयोध्या मंदिर में ऐतिहासिक ध्वजारोहण ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया। वर्ष 2026 में देश नई उम्मीदों और संकल्पों के साथ आगे बढ़ने को तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारी युवा शक्ति के कारण पूरी दुनिया को भारत से बहुत आशाएं हैं। युवा अपनी मेहनत, लगन और रचनात्मक सुझावों से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष स्वामी विवेकानन्द की जयंती पर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 का आयोजन किया जाएगा, जो युवाओं के लिए अपने सुझाव साझा करने का महत्वपूर्ण मंच होगा। मोदी ने तकनीकी युग में लोगों की जिंदगी में तेजी से आ रहे बदलाव के बारे में चर्चा करते हुए स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन-2025 में युवाओं की उत्साहपूर्वक भागीदारी के बारे में बताया।

संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश की प्रगति का सफर हमसे साझा करते हैं। उनके प्रेरणादायी विचार हम सभी के लिए राष्ट्र सेवा, सामाजिक समर्पण एवं सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में निरंतर ऊर्जा और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश की उपलब्धियों पर गर्व करने का अवसर है, जो हमें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में वर्ष 2025 में राजस्थान ने विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, प्रबुद्धजन एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

पुलिस का एक्शन देखने के लिए ब्लास्ट की धमकी दी

कॉल कर बोला- जयपुर जंक्शन, वैशाली नगर में बम धमाके होंगे; होटल का वेटर गिरफ्तार

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जयपुर रेलवे स्टेशन, वैशाली नगर और सांगानेर के आनंद विहार में बम ब्लास्ट की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एक होटल में वेटर है। उसने पुलिस की कार्रवाई देखने के लिए शराब के नशे में कंट्रोल रूम में कॉल कर धमकी दी थी। आरोपी ने कॉल कर कहा था कि सांगानेर के आनंद विहार में बम फटेगा, उसके बाद जयपुर जंक्शन और वैशाली नगर में बम ब्लास्ट होगा।

एसएचओ (सांगानेर) लिखमाराम ने बताया- बम ब्लास्ट की धमकी देने के मामले में आरोपी रवि मीणा (28) निवासी बलोनी, सपोटरा (करौली) को अरेस्ट किया है। उसने बेचलर ऑफ आर्ट्स डिग्री कर रखी है। पहले गुजरात में टाइल लगाने का काम करता था। इसके बाद सांगानेर के आनंद विहार स्थित होटल रघुकुल में वेटर का काम करने लग गया।

पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल कर दी धमकी

SHO ने बताया- शनिवार-रविवार की रात करीब &:17 बजे जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम को युवक ने कॉल किया। कॉल कर धमकी दी कि सांगानेर स्थित आनंद विहार में बम ब्लास्ट होगा। उसके बाद जयपुर जंक्शन और वैशाली नगर जयपुर में भी बम ब्लास्ट होगा। धमकी भरे कॉल के बाद पुलिस ने सांगानेर के आनंद विहार स्थित भीड़भाड़ वाली जगहों को खाली करवाया।

पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर धमकी देने वाले को ट्रेस करना शुरू किया। पुलिस टीमों ने सर्च के साथ ही ट्रेस कर धमकी देने वाले वेटर रवि मीणा को रविवार शाम 5 बजे सांगानेर के आनंद विहार स्थित रघुकुल होटल से धर-दबोचा।

भागने की कोशिश की

लिखमाराम ने बताया- मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम होटल रघुकुल में पहुंची। मोबाइल नंबर के आधार पर होटल वेटर रवि मीणा की पहचान भी हो गई। पुलिस टीम को देखकर रवि मीणा ने होटल के पिछले गेट से भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने पीछा कर होटल से महज 100 मीटर दूर रवि मीणा को दबोच लिया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया- आधी रात शराब के नशे में उसने पुलिस कंट्रोल रूम को बम ब्लास्ट की धमकी दी थी। वह देखना चाहता था कि धमकी देने पर पुलिस उन स्थानों पर क्या कार्रवाई करती है। इससे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल को भी जब्त किया है।

संसदीय कार्य मंत्री के मुख्य आतिथ्य में राजपूत विकास समिति का प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ आयोजित

राज्य सरकार ने दो वर्ष में 71 नए महाविद्यालय किए स्थापित- पटेल

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राजपुत विकास समिति का वार्षिक समाज सुधार सम्मेलन और प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को जोधपुर के पाबूजी धाम सुरेलाव तालाब पीसावास में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य और पूर्व राज्यसभा सांसद एवं पद्मभूषण डॉ नारायण सिंह माणकलाव के सानिध्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में 42 प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

आरटीई के तहत 2130.94 करोड़ रुपये की फीस किया पुनर्भरण

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने 2 वर्ष के कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा दो वर्ष में 10 लाख 51 हजार साइकिलें और मेधावी विद्यार्थियों को 88 हजार 724 टैबलेट वितरित किए गए। उन्होंने कहा आरटीई के अन्तर्गत निजी विद्यालयों को 2130.94 करोड़ रुपये की फीस का पुनर्भरण किया गया।

दो वर्ष में 39 हजार 586 स्कूटियों का किया वितरण

विधि मंत्री ने कहा दो वर्ष में 71 नवीन राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना की गई। साथ ही 7 नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए गए। उन्होंने कहा काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी एवं देवनारायण स्कूटी योजना के अन्तर्गत 39 हजार 586 स्कूटियों का वितरण किया गया। पटेल ने कहा शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास की मजबूत नींव है। शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति में संस्कार, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा आज के समय में युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी अपनाना चाहिए, ताकि वे समाज को सही दिशा दे सकें।

862 करोड़ से बनेगा 50KM महवा-राजगढ़ हाईवे का 4-लेन: NH-21 पर फ्लाईओवर समेत 3 बाईपास भी बनेंगे; कृषि मंत्री ने जताया आभार

आवाज़ ए तसनीम

दौसा। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने 50 किलोमीटर लंबे महवा-मंडावर-राजगढ़ हाईवे को 4-लेन बनाने के लिए 862.22 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि यह परियोजना राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग-921 के महवा-मंडावर-राजगढ़ सेक्शन पर लागू होगी।

NH-21 पर बनने वाली इस सड़क में बाइपास, फ्लाईओवर और री-अलाइनमेंट शामिल हैं, जिससे क्षेत्र में यातायात, सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक की सुविधा में सुधार होगा।

महवा बाईपास से कोठी नारायणपुर तक बनेगी सड़क

यह परियोजना प्रस्तावित महवा बाईपास के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-21 के जंक्शन से शुरू होकर कोठी नारायणपुर के पास राज्य राजमार्ग-25 पर समाप्त होगी। सड़क के इस हिस्से को चौड़ा करने के साथ यातायात प्रवाह को सुगम बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

फ्लाईओवर और बाइपास से सुधरेगा ट्रैफिक सिस्टम

परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग-921 के जंक्शन के पास NH-21 पर एक फ्लाईओवर बनाया जाएगा। इसके साथ ही कुल 11.25 किलोमीटर लंबाई के तीन बाइपास भी प्रस्तावित हैं, जिनमें महवा बाइपास 4.8 किमी, मंडावर बाइपास 3.99 किमी और गढ़ी सवाईराम बाइपास 2.45 किमी शामिल हैं।

माचड़ी मोड़ पर री-अलाइनमेंट से बढ़ेगी सुरक्षा

सड़क की बनावट और ड्राइविंग सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए माचड़ी मोड़ पर 1.45 किलोमीटर लंबाई का री-अलाइनमेंट किया जाएगा। इससे दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी और वाहन चालकों को सुविधा मिलेगी।

राज्यपाल ने सांवलिया सेठ के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे रविवार को चित्तौड़गढ़ के सांवलिया सेठ मंदिर पहुँचे। उन्होंने वहाँ सांवलिया सेठ के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। राज्यपाल ने सांवलिया सेठ से प्रदेश की सम्पन्नता और खुशहाली की कामना की।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का भीलवाड़ा दौरा

जिले में आयोजित बैरवा दिवस सम्मान समारोह में उपमुख्यमंत्री डॉ.बैरवा ने की शिरकत

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रविवार को भीलवाड़ा जिले के नगर निगम सभागार में आयोजित बैरवा दिवस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए जहाँ उन्होंने विभिन्न प्रतिभाओं का सम्मान किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए डॉ. बैरवा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे और उनका सपना सामाजिक रूप से समान बनाने का था, जिसे हमें पूरा करना है। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 151 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, साथ ही नवनियुक्त कर्मचारियों का स्वागत किया गया एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर शाहपुरा विधायक डॉ. लाला राम जी बैरवा और एवं नगर निगम महापौर श्री राकेश पाठक भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने 'मेवाड़ कुमावत समाज महाकुंभ 2025' में भाग लिया— कुमावत समाज नहीं संस्कृति- राज्यपाल

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मण्डफिया, चित्तौड़गढ़ में रविवार को मेवाड़ 'मेवाड़ कुमावत समाज महाकुंभ 2025' का शुभारंभ किया।
इस दौरान उन्होंने कहा कि महाराणा कुम्भा द्वारा इस समाज का नामकरण किया गया। कुमावत समाज नहीं भारतीय शिल्प, स्थापत्य और निर्माण कला से जुड़ी संस्कृति का संवाहक है। उन्होंने समाज की नई पीढ़ी को अपनी विरासत और कलाओं के से संरक्षण के लिए कार्य करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि कोई भी समाज तभी विकास करता है जब शिक्षा पर ध्यान दें और कुरीतियों और अंधविश्वास मुक्ति के लिए कार्य करे। उन्होंने मेवाड़ की संस्कृति में कुमावत समाज के योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि चित्तौड़गढ़ के कीर्ति स्तंभ, कुंभलगढ़, हवामहल आदि का निर्माण इसी समाज के वास्तुविदों, शिल्पियों ने किया। उन्होंने समाज की सामाजिक एकता, शिक्षा, संस्कार और सेवा कार्यों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि ऐसे महाकुंभ समाज को संगठित करने के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त करने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शहर का यह सरकारी विद्यालय सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि प्रतिभाओं की प्रयोगशाला

वन राज्यमंत्री शर्मा ने अलवर में पूर्व छात्र सम्मेलन एवं अखिल भारतीय सम्मेलन कार्यक्रम में की शिरकत

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर शहर में पीएम राजकीय नवीन उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित पूर्व छात्र सम्मेलन एवं अखिल भारतीय सम्मेलन में शिरकत की। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था का मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ सुदृढ करने में निरन्तर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की शिक्षा बढावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने विभिन्न योजनाएं संचालित की गई है, जिनमें विद्यार्थियों को लेपटॉप, स्कूटी, साइकिल प्रदान करने के साथ-साथ सरकारी विद्यालयों में आईसीटी लैब व आधुनिक कम्प्यूटर लैब, ई-लाइब्रेरी अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव द्वारा बनाई जा रही है, जिसमें सरकारी विद्यालयों को प्राथमिकता दी गई है। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अटल टिकरिंग लैब, पीएम विद्यालय योजना अभूतपूर्व योजना है जो शिक्षा के स्तर को आगे बढाने का काम कर रही है। साथ ही सरकार द्वारा प्रदेश के विद्यालयों के भवनों को मजबूत करने के लिए हर जिले को अलग से बजट दिया गया है। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजकीय नवीन विद्यालय अलवर शहर का प्रतिष्ठित विद्यालय रहा है। शहर का यह सरकारी विद्यालय सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि प्रतिभाओं की प्रयोगशाला है। यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी सम्मानित पदों पर अपनी सेवाएं प्रदान कर देश के विकास में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय की प्रतिष्ठा को बरकरार रखने हेतु आयोजित पूर्व छात्र सम्मेलन एवं अखिल भारतीय सम्मेलन एक सराहनीय कदम है। इस दौरान पूर्व छात्रों एवं शिक्षकगणों का सम्मान किया गया।

संसदीय कार्य मंत्री ने नांदड़ी में 634.52 लाख रूपये के सड़क निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

प्रदेश सरकार राजस्थान के सतत् एवं समावेशी विकास के लिए कटिबद्ध- पटेल

450 लाख रूपये की लागत से बनेगा अटल प्रगति पथ

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर जिले के बाबा रामदेव मंदिर नांदड़ी में बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत अटल प्रगति पथ सहित 634.52 लाख रूपये के सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया।
संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार राजस्थान के सतत् एवं समावेशी विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा 2 वर्ष के कार्यकाल में राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास, सड़क निर्माण और शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास कार्य करवाए है।

नांदड़ी का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता

पटेल ने कहा नांदड़ी का विकास मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नांदड़ी अब नगर निगम क्षेत्र में शामिल हो गई है, जिससे आमजन को नगरीय सुविधाएं प्राप्त होगी। क्षेत्र में सड़क, सीवरेज और स्ट्रीट लाइट से संबंधित कार्य चरणबद्ध रूप से करवाए जाएंगे।
पटेल ने कहा नांदड़ी में जोधपुर विकास प्राधिकरण के माध्यम से लगभग 8 करोड़ रूपये की लागत से 9 सड़कें स्वीकृत करवाई गई। क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या के समाधान के लिए आरटीओ नाला निर्माण कार्य तय समयावधि में पूर्ण होगा।

जोन में बांट कर जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी

विधि मंत्री ने कहा नांदड़ी में समुचित पेयजल आपूर्ति के लिए संपूर्ण क्षेत्र को जोन में बांट कर नई पाइप लाइन और क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को बदलने कार्य चरणबद्ध रूप से करवाया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, जिसकी जांच चल रही है। जांच उपरांत जल जीवन मिशन के कार्य भी पूरे करवाए जायेंगे।

इन कार्यों हुआ शिलान्यास

- अटल प्रगति पथ- धापी मार्बल से श्रीयादे नगर तक सीसी सड़क (3 किमी) लागत राशि 450 लाख रूपये।
- पूनम पान भण्डार से जोगमाया मन्दिर तक सीसी सड़क (0.8 किमी) लागत 68 लाख रूपये।
- खोखरियां फांटा से नान्दड़ी गांव तक सीसी सड़क (1 किमी) लागत 89.90 लाख रूपये।
- टेम्पो स्टेण्ड नंबर 37 नान्दड़ी गौशाला से नाला रोड़ कटाण मार्ग तक सीसी सड़क (0.5 किमी) लागत 26.62 लाख रूपये।

सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025

एक मंच पर पूरा भारत, 350 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की सशक्त पहचान बना सरस राजसखी मेला

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा जवाहर कला केंद्र जयपुर में 18 दिसंबर से 4 जनवरी 2026 तक आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025, अपनी भावपूर्ण थीम 'भारत- एक सूत्रधार' के साथ देश की सांस्कृतिक एकता और विविधता का भव्य उत्सव प्रस्तुत कर रहा है। इस मेले में भारत के विभिन्न राज्यों की विशिष्ट टेक्सटाइल परंपराएँ, लोक हस्तशिल्प और सांस्कृतिक कलाएँ एक ही मंच पर जीवंत रूप में दिखाई दे रही हैं। माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान श्री भजनलाल शर्मा के कर कमलों द्वारा मेले के उद्घाटन के उपरांत मंत्रीगण, विधायकगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण भी इस मेले में पधार रहे हैं एवं महिलाओं का मनोबल बढ़ाते हुए मेले की सरहाना कर रहे हैं। मेले की लोकप्रियता का अंदाजा इसके फुटफॉल से लगाया जा सकता है, अब तक 1 लाख से अधिक आगंतुक मेले का आनंद ले चुके हैं और आने वाले सप्ताह में यह संख्या और बढ़ने की संभावना है। मेले में देशभर से 350 से अधिक स्वयं सहायता समूह भाग ले रहे हैं, जिन्होंने 2,000 से अधिक प्रकार के हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शित और बिक्री के लिए उपलब्ध कराए हैं। स्टॉल्स पर गोटा-पट्टी, ज़री, लहरिया, बंधेज, अजरक, ब्लॉक प्रिंट, कांथा वर्क, टसर सिल्क, पश्मीना और ऊनी वस्त्रों की मनमोहक छटा देखने को मिलती है, जिनमें कुर्तियाँ, घाघरे, लहंगे, साड़ियाँ, सूट, दुपट्टे, बेडशीट, तकिए और सोफा कवर शामिल हैं। इसके अलावा बणी-ठणी, मधुबनी और अन्य लोक शैलियों की पारंपरिक व पोर्ट्रेट पेंटिंग्स, कोर्सेट, ड्रेस और टू-पीस सेट जैसे हस्तनिर्मित परिधान कला प्रेमियों को भा रहे हैं। मेले में बहुरंगी सजावटी उपहार, लकड़ी और टेराकोटा की कलाकृतियाँ, घोड़ा-हाथी और राजा-रानी की आकृतियाँ, पारंपरिक मोजड़ी जूतियाँ, जूट बैग, बाँस की कलात्मक वस्तुएँ, मिट्टी के बर्तन, ऑर्गेनिक मसाले, स्नैक्स, माउथ फ्रेशनर, कैंडी और शुगर-फ्री चॉकलेट जैसी विविध वस्तुएँ भी उपलब्ध हैं। कुल मिलाकर यह मेला केवल खरीदारी का अवसर नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा, परंपराओं और रचनात्मकता को एक सूत्र में पिरोता हुआ एक जीवंत और अविस्मरणीय अनुभव प्रदान कर रहा है।

एक मंच, अनेक रंग- संस्कृति का उत्सव

सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 भारतीय संस्कृति की विविधता और जीवंतता का भव्य उत्सव बनकर उभर रहा है, जहाँ 18 दिनों तक प्रतिदिन देश के विभिन्न हिस्सों की लोक कला, नृत्य और संगीत को मंच मिल रहा है और बड़ी संख्या में दर्शक इन सांस्कृतिक संध्याओं का आनंद ले रहे हैं। मेले के पहले दिन राजस्थान के चरी, घूमर और कालबेलिया नृत्य, शहनाई व नगाड़ा वादन, भरतपुर का मयूर नृत्य और उत्तर प्रदेश की फूलों की होली ने माहौल को रंगीन बना दिया, वहीं असम के बिहू, बैशाली, कार्बी, धमाही और शास्त्रीय सत्रिया नृत्य ने पूर्वोत्तर की परंपराओं से परिचय कराया। पंजाब के गिद्दा और भांगड़ा की ऊर्जावान प्रस्तुतियों, मिजोरम के पारंपरिक चैरो नृत्य, महाराष्ट्र की लावणी और गोंडल नृत्य और नागालैंड के आओनागा और कबोनागा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, जबकि भव्य फैशन शो में अभिनेत्री डेज़ी शाह की उपस्थिति और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का आत्मविश्वास से भरा रैम्प वॉक विशेष आकर्षण रहा। कुल मिलाकर, यह मेला न केवल मनोरंजन का केंद्र है, बल्कि भारत की समृद्ध, विविध और जीवंत सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर साकार करता हुआ लोगों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन रहा है। आने वाले दिनों में दर्शकों को सिक्किम का लायन मास्क, उत्तराखंड का त्रिदिय चौपला, केरल का चंदा, नदपट्ट, हरियाणा से डफ, झूमर, राजस्थानी लोक नृत्य, गुजरात का डांडिया, गरबा, त्रिपुरा का होजागिरी, डेउवर्मा और राजस्थानी लोक नृत्य एवं कथक फ्यूजन जैसे प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी।

हुनर का लाइव जादू- कारीगरी, कस्टमाइज़ेशन और परंपरा का संगम

मेले में लाइव डेमो के जरिए अलवर, झुंझुनूं, जयपुर और चूरू के कारीगर लाख की चूड़ियाँ, पारंपरिक परिधान, मिट्टी व ब्लैक पॉटरी, लिप्पन कला, क्रोशिया, कढ़ाई, अगरबत्ती और टाई एंड डाई जैसी पारंपरिक कलाओं का सजीव प्रदर्शन कर रहे हैं, जो दर्शकों को खूब आकर्षित कर रहा है। साथ ही कस्टमाइजेशन ज़ोन मेले का प्रमुख आकर्षण बनकर उभरा है, जहाँ आगंतुक अपनी पसंद के रंग, डिज़ाइन, नाम या पैटर्न के अनुसार लाइव पर्सनलाइज़्ड हस्तनिर्मित वस्तुएँ बनवा रहे हैं। वहीं 'ड्रेस ड्रेप क्लिक' स्टाइल स्टूडियो में विज़िटर विभिन्न क्षेत्रीय पारंपरिक परिधानों और ड्रेपिंग शैलियों को आज़माकर एथनिक एक्सेसरीज़ के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं, जिससे यह पूरा अनुभव यादगार बन रहा है।

प्रकृति से स्वास्थ्य तकः ऑर्गेनिक उत्पादों की सौगात

मेले में उत्तराखंड सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रस्तुत जैविक एवं प्राकृतिक उत्पाद खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं, जिनमें कैमोमाइल, बुरांश (रोडोडेंड्रोन), बिच्छू बूटी, मसाला और बाजरा चाय, कच्चा शहद, सेब, गुड़, सूखे मेवे, घी से बनी पारंपरिक मिठाइयाँ, अचार, आँवला मुरब्बा और कैंडी शामिल हैं। इसके साथ ही बाजरा व ज्वार बिस्कुट, बाजरे की कुकीज़, शुगर फ्री चॉकलेट, मिल्क केक, भुने हुए स्नैक्स, बीकानेरी मसाले जैसे धनिया, मिर्च, हल्दी और कसौरी मेथी, बीकानेरी भुजिया, पापड़ व मंगोड़ी भी लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। प्राकृतिक देखभाल उत्पादों में गुलाब, एलोवेरा, नीम, चंदन और हल्दी से बने हैंडमेड साबुन, हर्बल शैम्पू, प्याज व नीम का तेल, खुबानी का तेल, सूखी खुबानी तथा ऊनी उत्पाद शामिल हैं, जिनकी विशेषता यह है कि ये सभी पूरी तरह प्राकृतिक, रसायन-मुक्त और स्वास्थ्य के अनुकूल हैं। जम्मू और कश्मीर से ड्राई फ्रूट्स भी आगंतुकों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं।

देश भर के ज़ायके एक ही छत के नीचे

मेले में लगे फूड स्टॉल्स देश की समृद्ध खानपान परंपरा की झलक पेश कर रहे हैं, जहाँ स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार दाल-बाटी-चूरमा, पराठा, पूड़ी-सब्ज़ी, कचौड़ी, पकौड़ी, दूध-जलेबी, रबड़ी, बाजरे की रोटी, मक्के की रोटी, केर-सांगरी, राब, छाछ, बीकानेरी मिठाइयाँ और जीआई टैग प्राप्त कलाड़ी विशेष आकर्षण हैं। इसके साथ ही चाय-पकौड़े, कुल्हड़ चाय, भेलपुरी, दही पापड़ी, पापड़ी चाट, पाव भाजी, दाबेली, बड़ापाव, स्वीट कॉर्न, गाजर का हलवा, टमाटर सूप, कुल्फी, आइसक्रीम, कॉफी-कोल्ड कॉफी, बर्गर, सैंडविच, मोमोज, चाउमीन, पास्ता, मैगी, इडली, लिट्टी-चोखा और अन्य स्नैक्स फूड कोर्ट को स्वाद प्रेमियों के लिए खास बना रहे हैं।

फोटोग्राफी और इन्फ्लुएंसर कॉन्टेस्ट

मेले में रचनात्मकता और डिजिटल सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष फोटोग्राफी और इन्फ्लुएंसर कॉन्टेस्ट आयोजित किए जा रहे हैं। फोटोग्राफी कॉन्टेस्ट के तहत मेले में आने वाले आगंतुक मेले के रंग-बिरंगे पलों, सांस्कृतिक झलकियों और यादगार क्षणों को अपने कैमरे में कैद कर राजीविका द्वारा दिए गए विशेष टैग्स के साथ सोशल मीडिया पर साझा कर सकते हैं, जिससे उन्हें प्रतिदिन आकर्षक पुरस्कार जीतने का अवसर मिल रहा है। वहीं डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स के लिए आयोजित इन्फ्लुएंसर मीट में शहर के प्रमुख कंटेंट क्रिएटर्स ने भाग लिया, जिन्हें 30 दिसंबर तक मेले से जुड़ा रचनात्मक कंटेंट तैयार कर सोशल मीडिया पर साझा करने का मंच दिया गया है। इस कॉन्टेस्ट के विजेताओं की घोषणा 4 जनवरी 2026 को की जाएगी, जिसमें सर्वश्रेष्ठ स्टोरी टैलर्स को प्रथम पुरस्कार 1.50 लाख रूपये, द्वितीय 1 लाख रूपये और तृतीय पुरस्कार 50 हजार रूपये प्रदान किए जाएंगे। विजेताओं का चयन कंटेंट की गुणवत्ता, प्रभावी स्टोरी टेलिंग, रचनात्मक प्रस्तुति, ऑडियंस इंगेजमेंट और समग्र प्रभाव जैसे मानकों के आधार पर किया जाएगा, जिससे यह पहल मेले की डिजिटल पहचान को और सशक्त बना रही है।

लक्की खरीदार अवॉर्ड- शॉपिंग करो इनाम जीतो

मेले के 18 दिनों तक आगंतुकों को प्रोत्साहित करने के लिए दैनिक लक्की खरीदार अवॉर्ड योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत प्रतिदिन लक्की ड्रॉ से दो भाग्यशाली खरीदारों को 20,000 से 50,000 रूपये तक के आकर्षक उपहार दिए जा रहे हैं। न्यूनतम 1 हजार रूपये की खरीदारी पर वैध बिल के साथ कूपन शाम 5 बजे तक जमा करने वाले खरीदार इस ड्रॉ के पात्र हैं, जो प्रतिदिन शाम 5 से 6 बजे के बीच पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित किया जा रहा है। पुरस्कारों में स्मार्ट स्वश्च टीवी, डबल डोर रेफ्रिजरेटर, छस्स्क्र/मिररलेस कैमरा, ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन, फुट स्पा मशीन, स्पोर्ट्स साइकिल, एयर कूलर, स्मार्टफोन, डेकोरेटिव आर्ट पेंटिंग, प्रीमियम हेडफ़ोन, मिनी स्मार्ट प्रोजेक्टर, कॉफी मशीन, इलेक्ट्रिक सिलाई मशीन, रिक्लाइनर कुर्सी, सैंडविच ग्रिल, एयर प्यूरीफायर, एयर कंडीशनर, स्मार्ट वॉच, ब्लू पॉटरी डेकोरेटिव सेट, होम थिएटर साउंडबार, एयर फ्रायर ओवन, ड्ढक्र हेडसेट, टैबलेट, रोबोट वैक्यूम और मोप, कॉपर डिनर सेट, लक्ज़री हैंडलूम बेडस्प्रेड, ब्लूटूथ ईयरबड्स और क्रिकेट किट शामिल हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने अजमेर जिले में किये विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को अजमेर जिले के विनायक विहार कॉलोनी में सड़क निर्माण कार्य तथा वरूण सागर से फिल्टर प्लांट तक 3900 मीटर पाईप लाइन कार्य का शुभारम्भ किया। विधानसभा अध्यक्ष ने रविवार को वरूण सागर रोड़ स्थित विनायक विहार कॉलोनी में 23.20 लाख रूपए की लागत से बनने वाली सड़क निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सड़क की गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इन सड़क कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के निवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी। सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। मजबूत सड़कें आवागमन को सुगम बनाने के साथ व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं दैनिक जीवन की गतिविधियों को भी गति प्रदान करती हैं।

देवनानी ने राज्य निधि अन्तर्गत 85.78 लाख रूपए की लागत से वरूण सागर से फिल्टर प्लांट तक 3900 मीटर (200 एमएम) पाईप लाइन कार्य का शुभारम्भ किया। यह कार्य जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा करवाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समय सीमा में तथा तय मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अजमेर में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने कहा कि इस पाईप लाइन से आसपास अनेक कॉलोनियों एवं उससे सटे इलाकों को भी नियमित और पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए जनभागीदारी आवश्यक है और सरकार जन आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि आधारभूत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों की श्रृंखला जारी रहेगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक

अस्पतालों में दवा एवं जांचों की हो प्रभावी मॉनिटरिंग- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

आरजीएचएस का दुरूपयोग करने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही

आमजन को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं हों उपलब्ध

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवा रही है तथा विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पतालों में दवा एवं जांचों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, उन्होंने 108 एंबुलेंस, 104 जननी एक्सप्रेस तथा ममता एक्सप्रेस सेवाओं के सुगम्य संचालन के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने विभाग की योजनाओं में अनियमितता एवं दुरूपयोग के विरूद्ध कठोरतम दण्डात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालयों में चलाए जा रहे नेत्र जांच शिविरों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभागवार इन शिविरों का आयोजन किया जाए तथा जरूरतमंद स्कूली छात्र-छात्राओं को चश्मे उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

चित्तौड़गढ़ में राष्ट्रीय स्वदेशी मेले में बाल विवाह निषेध जागरूकता पोस्टर का विमोचन- बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को मिला जनप्रतिनिधियों का समर्थन

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। बाल विवाह मुक्त भारत के 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत रविवार को चित्तौड़गढ़ में राष्ट्रीय स्वदेशी मेले में बाल अधिकारिता विभाग द्वारा तैयार बाल विवाह निषेध जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया गया। पोस्टर का विमोचन शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी एवं विधायक चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा किया गया।

'मन की बात' कार्यक्रम का 129 वां संस्करण

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को किया सम्बोधित

संसदीय कार्य मंत्री एवं मुख्य सचेतक ने जोधपुर के शिकारपुरा आश्रम में 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 129 वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने जोधपुर के शिकारपुरा आश्रम के गादीपति संत दयाराम जी महाराज ने भी राजाराम आश्रम शिकारपुरा (जोधपुर) में आमजन के साथ प्रधानमंत्री के सम्बोधन को सुना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संबोधन में कहा आज दुनिया भारत को बहुत आशा के साथ देख रही है। भारत से उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है, हमारी युवा शक्ति। उन्होंने कहा विज्ञान के क्षेत्र में हमारी उपलब्धियां, नए-नए इनोवेशन, टेक्नोलॉजी का विस्तार इनसे दुनियाभर के देश बहुत प्रभावित हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा आज देश के भीतर युवाओं को प्रतिभा दिखाने के नए- नए अवसर मिल रहे हैं। ऐसे बहुत से प्लेटफॉर्म्स विकसित हो रहे हैं, जहां युवा अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार टैलेंट दिखा सकते हैं। उन्होंने कहा ऐसा ही एक प्लेटफॉर्म है- 'स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन' एक और ऐसा माध्यम जहां आइडियाज एक्शन में बदलते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा आज सरकार 'पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना' के तहत हर लाभार्थी परिवार को सोलर पैनल लगाने के लिए करीब-करीब 75 से 80 हजार रुपए दे रही है। उन्होंने कहा साल 2026 संकल्प सिद्धि की यात्रा में एक अहम पड़ाव साबित हो, आपका और आपके परिवार का जीवन खुशहाल हो।

राजेश्वर भगवान मंदिर में की विधिवत पूजा-अर्चना

संसदीय कार्य मंत्री और मुख्य सचेतक ने शिकारपुरा आश्रम राजेश्वर भगवान मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना की। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की।

کانگریس کی آئیڈیالوجی کبھی بھی مرنے والی نہیں

- ہماری پارٹی کے قائدین کی بدولت ہندوستان' دنیا کی سب سے بڑی جمہوریت بنا
- 140 ویں یوم تاسیس پر اندرا بھون میں ملکارجن کھرگے کا خطاب

آوازِ تسنیم

کانگریس کے 140 ویں یوم تاسیس پر پارٹی صدر ملکارجن کھرگے نے اتوار کے دن زور دے کر کہا کہ کانگریس ایک آئیڈیالوجی ہے اور نظریات کبھی بھی نہیں مرتے۔ پارٹی ہیڈکوارٹر اندرا بھون میں پارٹی قائدین اور ورکر سے خطاب میں انہوں نے کہا کہ ہندوستان کانگریس کے عظیم قائدین کی بدولت دنیا کی سب سے بڑی جمہوریت بنا۔ آج میں اُن لوگوں پر جو یہ کہتے ہیں کہ کانگریس ختم ہوچکی ہے ایک چیز واضح کر دینا چاہتا ہوں ۔ میں ان سے کہنا چاہتا ہوں کہ ہماری طاقت کم ہے لیکن ہماری ریڑھ کی ہڈی ابھی بھی سیدھی ہے۔ہم نے نہ تو دستور پر، نہ تو سیکولرازم پر اور نہ غریبوں کے حقوق پر کوئی سمجھوتہ کیا ہے۔ہم چاہیں اقتدار میں نہ رہیں لیکن ہم مول تول نہیں کریں گے۔کانگریس نے مذہب کے نام پر ووٹ کبھی بھی نہیں مانگیں۔انہوں نے زور دے کر کہا کہ ہماری پارٹی نے مندر۔مسجد کے نام پر کبھی بھی نفرت نہیں پھیلائی۔کانگریس جوڑتی ہے، بی جے پی باٹتی ہے۔کانگریس نے مذہب کو صرف آستھا (عقیدہ) کے طور پر رکھا لیکن بعض لوگوں نے مذہب کو سیاست میں تبدیل کر دیا۔آج بی جے پی اقتدار میں ہے لیکن اس کے پاس سچائی نہیں ہے۔

بعض اوقات اعداد وشمار چھپائے جاتے ہیں۔ مردم شماری روکی جاتی ہے۔ بعض اوقات دستور بدلنے کی باتیں ہوتی ہیں۔ کانگریس صدر نے کہا کہ جو لوگ آج تاریخ پر بھاشن دے رہے ہیں ان کی آبا واجداد تاریخ سے بھاگے ہوئے ہیں۔کانگریس ایک نظریہ ہے اور نظریات کبھی بھی نہیں مرتے۔کھرگے نے یہ بھی کہا کہ سال 2025ء مہاتما گاندھی کے کانگریس صدر بننے کی صدی ہے۔ اسی سال دستور کے 75 برس مکمل ہوئے۔

انہوں نے کہا کہ ہندوستان کو جس وقت آزادی ملی تھی اس کے آس پاس کئی دیگر ممالک بھی آزاد ہوئے تھے لیکن صرف ہندوستان ایسا ملک ہے جہاں جمہوریت فعال ہے۔کانگریس کے عظیم قائدین کی وجہ سے ہندوستان دنیا کی سب سے بڑی جمہوریت بنا۔ انڈین نیشنل کانگریس نے ہمیشہ ملک کے عوام کی فلاح و بہبود اور انہیں بااختیار بنانے کے لئے کام کیا۔اُس نے سبھی کی ترقی کیلئے کام کیا۔

☆☆☆

فضائی مسافرین کی مدد کیلئے انٹیگریٹڈ کنٹرول روم کا قیام

آوازِ تسنیم

انڈیگو بحران کے دوران وزارتِ شہری ہوابازی کی جانب سے قائم کئے گئے 'انٹیگریٹڈ پیسنجر اسسٹنس کنٹرول روم' (پی اے سی آر) کے ذریعہ اب مسافروں کی شکایات کا کم وقت میں ازالہ کیا جا رہا ہے۔ دہلی کے راجیو گاندھی اُڑان بھون میں واقع وزارتِ شہری ہوابازی میں قائم اس پی اے سی آر میں وزارت ایئرپورٹس اتھارٹی آف انڈیا (اے اے آئی)، ڈائریکٹوریٹ جنرل آف سول ایوی ایشن (ڈی جی سی اے) اور تمام فضائی کمپنیوں کے نمائندے ایک ساتھ بیٹھتے ہیں۔سوشل میڈیا پر جب بھی وزارت کو ٹیگ کرتے ہوئے کوئی شکایت موصول ہوتی ہے تو وزارت کے نمائندے متعلقہ ایئر لائن سے بات کر کے فوری حل کی ہدایت دیتے ہیں۔انڈیگو بحران کے دوران شہری ہوابازی کے سکریٹری سمیر کمار سنہا کی ہدایت پر 10 دسمبر کو پی اے سی آر کا آغاز کیا گیا تھا۔ وزارت کے پہلے سے جاری شکایت ازالہ نظام 'ایئرسیوا پورٹل' کو بھی اسی میں ضم کر دیا گیا ہے۔تب سے اب تک یہاں 13 ہزار سے زائد شکایات کا ازالہ کیا جا چکا ہے، جن میں 3 دسمبر سے 9 دسمبر کے درمیان موصول ہونے والی 3,200 سے زیادہ شکایات بھی شامل ہیں۔وزارت میں ڈپٹی ڈائریکٹر جنرل پرمود کمار ٹھاکر نے بتایا کہ پی اے سی آر اب ایک مستقل نظام بن چکا ہے اور آئندہ بھی جاری رہے گا۔ یہ نظام ہر روز چوبیس گھنٹے کام کر رہا ہے۔انڈیگو نے دسمبر کے پہلے ہفتے میں چار ہزار سے زائد پروازیں منسوخ کی تھیں۔اس کی وجہ سے لاکھوں مسافر اپنی منزلوں تک نہیں پہنچ سکے اور ہزاروں مسافر مختلف ہوائی اڈوں پر کئی گھنٹوں تک پھنسے رہے۔اسی وجہ سے دسمبر میں اچانک شکایات کی تعداد میں بھی زبردست اضافہ ہوا۔ڈی جی سی اے کے اعداد وشمار کے مطابق نومبر میں شڈیول ایئر لائنز کمپنیوں کو مسافروں سے متعلق 1,196 شکایات موصول ہوئی تھیں، جبکہ اس مہینے 3 سے 26 دسمبر کے درمیان 13,468 شکایات موصول ہوئیں اور 13,061 کا ازالہ کیا گیا۔ ان میں سے 10,410 شکایات ایئر سیوا پورٹل کے ذریعہ، 1,324 ایئر سیوا ای میل کے ذریعے اور 1,734 سوشل میڈیا کے ذریعہ موصول ہوئیں۔پی اے سی آر میں موجود انڈیگو کے کسٹمر ایکسپیرینس ڈپارٹمنٹ کے ڈائریکٹر پرتیک ارجن سین نے بتایا کہ اب حالات معمول پر آ گئے ہیں۔انہوں نے کہا کہ اب اتنی زیادہ شکایات موصول نہیں ہو رہی ہیں۔ یہ پہلا موقع ہے جب وزارت، ڈی جی سی اے اور تمام ایئر لائن کمپنیوں کے نمائندے مل کر مسافروں کی شکایات کے حل کے لیے کام کر رہے ہیں۔ایئر لائنز کی جانب سے پوری کوشش کی جا رہی ہے کہ مسافروں کی شکایات کا فوری ازالہ کیا جائے۔

ایئر انڈیا ایکسپریس کی 'کسٹمر پیپی نیس ٹیم' کی لیزا اگروال نے بتایا کہ سوشل میڈیا پر روزانہ تقریباً 500 شکایات اور استفسار سے متعلق پوسٹس آتی ہیں۔دو ہفتے پہلے دھند کے دوران شکایات زیادہ آئی تھیں، لیکن اب حالات معمول پر آ گئے ہیں۔انہوں نے کہا کہ مسافر عموماً پروازوں میں تاخیر اور اپنے سامان وغیرہ کے بارے میں شکایت کرتے ہیں۔اکاسا ایئر کے شہباز عالم نے بتایا کہ زیادہ تر شکایات پروازوں کی منسوخی اور رقم کی واپسی (ریفنڈ) سے متعلق ہوتی ہیں۔ روزانہ تقریباً 15 تا 16 شکایات موصول ہوتی ہیں۔اسپائس جیٹ کے اسسٹنٹ منیجر (آپریشن) اجیت تیواری نے بتایا کہ وزارت کی جانب سے روزانہ دو سے پانچ شکایات ایئر لائن کے نمائندوں تک پہنچتی ہیں، جن کا ازالہ مقررہ وقت کے اندر کر دیا جاتا ہے ۔ زیادہ تر شکایات پروازوں میں تاخیر سے متعلق ہوتی ہیں۔

ممتا بنرجی سیاست چھوڑ کر دکھائیں: ہمایوں کبیر

معطل ترنمول کانگریس رکن اسمبلی ہمایوں کبیر نے جنہوں نے اپنی سیاسی جماعت جے یو پی بنالی ہے اتوار کے دن کہا کہ جس دن چیف منسٹر مغربی بنگال ممتا بنرجی سیاست چھوڑ دیں گی اس دن سے وہ صرف مذہبی سرگرمیوں پر توجہ دیں گے۔ ہمایوں کبیر، ترنمول کانگریس جنرل سکریٹری اور رکن پارلیمنٹ ابھیشیک بنرجی کے اس بیان پر ویڈیو پیام میں اپنا ردعمل ظاہر کر رہے تھے کہ کسی بھی شخص کو راج نیتی چھوڑنے کے بعد عبادت گاہ تعمیر کرنے کی آزادی ہے۔ابھیشیک بنرجی نے کسی کا نام نہیں لیا تھا لیکن ان کا اشارہ ہمایوں کبیر کی طرف ہی تھا۔ ہمایوں کبیر نے نہ صرف سیاسی جماعت قائم کی بلکہ ضلع مرشد آباد کے بیل ڈانگہ میں بابری مسجد جیسی مسجد بنانے کا اعلان کیا۔انہوں نے کہا کہ وہ ابھیشیک بنرجی کا مشورہ مان لیں گے بشرطیکہ ان کی آنٹی ممتا بنرجی سیاست چھوڑ دیں اور 2026ء کا اسمبلی الیکشن نہ لڑیں۔ ابھیشیک بنرجی سے گزارش ہے کہ وہ اپنی آنٹی کو راضی کریں کہ وہ بھگوان جگناتھ مندر منتقل ہو جائیں اور پوجا پاٹھ میں لگ جائیں۔ یہ مندر ممتا بنرجی نے تعمیر کرایا ہے۔

ہندو طالبہ کی برتھ ڈے پارٹی میں 2 مسلم نوجوانوں کی شرکت پر ہنگامہ

دایاں بازو کارکن بریلی کی ہوٹل میں گھس پڑے۔'لو جہاد' کا الزام

آوازِ تسنیم

دایاں بازو کارکنوں کا ایک گروپ بریلی کے ایک ریسٹوراں میں جہاں برتھ ڈے پارٹی چل رہی تھی، زبردستی گھس پڑا۔اُس نے لو جہاد کا الزام عائد کیا۔ پولیس نے مداخلت کی اور اُس نے پارٹی میں شریک 10 مہمانوں میں دو مسلم نوجوانوں اور ہوٹل کے ایک ملازم پر'' امن درہم برہم'' کرنے کیلئے جرمانہ عائد کیا۔واقعہ ہفتہ کی رات کا ہے۔بی ایس سی نرسنگ سال اول کی ایک طالبہ نے پریم نگر علاقہ کے ایک ریسٹوراں میں اپنی برتھ ڈے پارٹی دی تھی، جس میں اُس کے 9 دوستوں 5 لڑکیوں اور 4 لڑکوں نے شرکت کی تھی۔ اِن میں 2 شان اور واقف مسلمان تھے۔ پولیس کے بموجب ہندو لڑکی کے ساتھ مسلم نوجوانوں کی موجودگی پر ایک ہندو تنظیم کے بعض لوگ ہوٹل پہنچ گئے۔انہوں نے پارٹی میں خلل ڈالا۔نعرے لگائے اور مسلم نوجوانوں پر لو جہاد کا الزام عائد کیا۔ اطلاع ملتے ہی پریم نگر پولیس اسٹیشن کے عہدیدار وہاں پہنچے اور طلبہ و دیگر کو پوچھ تاچھ کیلئے پولیس اسٹیشن لے جایا گیا۔ ابتداء میں ایک مسلم نوجوان کو حراست میں لیا گیا جبکہ دوسرا بچ نکلا۔اسٹیشن ہاؤس آفیسر (ایس ایس او) راج بالی کا کہنا ہے کہ طالبہ پریم نگر کے ایک ہاسٹل میں رہتی ہے اور وہ ایک خانگی کالج سے بی ایس سی نرسنگ کر رہی ہے۔اُس نے اپنے دوستوں کو برتھ ڈے پارٹی دی تھی۔ جانکاری ملنے پر ہم نے لڑکی کے رشتہ داروں بشمول اُس کی آنٹی کو جو پریم نگر میں رہتی ہے طلب کیا۔ ہم نے دیگر نوجوانوں کے گھر والوں کو بھی اطلاع دی۔ پولیس نے ابتداء میں شان اور کیفے کے ملازم شیلندر گنگوار کے خلاف امن میں خلل کا چالان کیا۔ دوسرے مسلم نوجوان واقف کو ڈھونڈ نکالا گیا۔اتوار کے دن تینوں کو چالان کیا گیا۔صورتحال اب قابو میں ہے۔

تبدیلی مذہب کی روک تھام کیلئے یوپی میں اے آئی کا استعمال: یوگی

آوازِ تسنیم

سوشل میڈیا کے غلط استعمال، منفی پروپیگنڈے اور سائبر جرائم جیسی سرگرمیوں پر تشویش کا اظہار کرتے ہوئے وزیر اعلیٰ یوگی آدتیہ ناتھ نے اتوار کو پولیس کو ایسے جرائم پر لگام کسنے اور غیر ملکی فنڈز سے چلنے والے تبدیلی مذہب کے نیٹ ورک کو ختم کرنے کے لیے آرٹیفیشل انٹیلیجنس (اے آئی) کا استعمال کرنے کی ہدایت دی۔'پولیس منتھن' سینئر پولیس افسران کی کانفرنس 2025 کے اختتامی سیشن سے خطاب کرتے ہوئے انہوں نے ریاست میں امن وامان کو مزید بہتر بنانے کے لیے ہدایات جاری کیں۔انہوں نے افسران کو خاص طور پر سوشل میڈیا اور سائبر کرائم پر سخت نظر رکھنے اور فرقہ وارانہ ہم آہنگی کو بگاڑنے والوں کے خلاف زیرو ٹالرینس کی پالیسی اپنانے کو کہا۔ وزیر اعلیٰ نے پاکستان، بنگلہ دیش اور نیپال کی سرحدوں سے ہونے والی دہشت گردانہ سرگرمیوں اور منشیات کی اسمگلنگ کو روکنے کے لیے سیکورٹی نظام کو تکنیکی طور پر مضبوط بنانے پر زور دیا۔انہوں نے کہا کہ سوشل میڈیا پر ڈیپ فیک اور ڈارک ویب جیسے چیلنجز سے نمٹنے کے لیے انٹیلیجنس نظام کو فوری کارروائی کرنی چاہیے۔انہوں نے واضح کیا کہ مذہب یا ذات کے نام پر سماج کو تقسیم کرنے اور افراتفری پھیلانے والوں کے خلاف کسی بھی قسم کی نرمی نہ برتی جائے۔ اس کے ساتھ ہی انہوں نے ان سماج دشمن عناصر کے خلاف بھی کارروائی کی ہدایت دی جو عظیم شخصیات کے نام پر تنظیمیں بنا کر بدامنی پھیلانے کی کوشش کر رہے ہیں۔ یوگی آدتیہ ناتھ نے تبدیلی مذہب کو ایک سنگین چیلنج قرار دیتے ہوئے کہا کہ ایسی سرگرمیوں کی مسلسل نگرانی کی جائے اور بین الاقوامی فنڈنگ سے چلنے والے ریکیٹ کو گرفتار کرنے کے لیے مالی لین دین اور تکنیکی تجزیے کا سہارا لیا جائے ۔ انہوں نے گائے کی اسمگلنگ کے خلاف سخت کارروائی کی ہدایت دیتے ہوئے کہا کہ صرف گرفتاری کافی نہیں ہے بلکہ پورے نیٹ ورک اور اس کے ماسٹر مائنڈ کو بے نقاب کیا جائے۔ وزیر اعلیٰ نے پولیس کی اب تک کی کارکردگی کی تعریف کی لیکن بدلتے ہوئے حالات میں جدید ٹیکنالوجی اور آپسی تال میل کو مزید مؤثر بنانے کی ضرورت پر زور دیا۔

☆☆☆

امریکی ویزا کے حصول کیلئے شدید مشکلات کا سامنا

ویزا اسکریننگ کے عمل کو مزید سخت کر دیا گیا۔وزارت خارجہ کے ترجمان رندھیر جیسوال کا بیان

آوازِ تسنیم

ہندوستان میں H1-B ویزا کے حصول کے خواہش مند شہریوں کو شدید مشکلات کا سامنا ہے، کیونکہ ویزا انٹرویوز اور اپائنٹمنٹس میں غیر معمولی تاخیر ہو رہی ہے۔ ہندوستانی وزارتِ خارجہ نے تصدیق کی ہے کہ اس تاخیر کے باعث بڑی تعداد میں ہندوستانی شہری طویل عرصہ سے اپنے ہی ملک میں پھنسے ہوئے ہیں۔ہندوستانی وزارتِ خارجہ کے ترجمان رندھیر جیسوال نے اعتراف کیا ہے کہ اپائنٹمنٹس کے بحران نے متاثرہ افراد اور ان کے خاندانوں کو سنگین مسائل سے دوچار کر دیا ہے۔ان کا کہنا تھا کہ یہ صورتحال کئی ماہ سے برقرار ہے اور حکومت اس مسئلے پر نظر رکھے ہوئے ہے۔وزارتِ خارجہ کے مطابق امریکہ کی جانب سے ویزا اسکریننگ کے عمل کو مزید سخت کر دیا گیا ہے، جس میں سوشل میڈیا اکاؤنٹس کو پبلک کرنے کی شرط، بھاری فیس، اور نئے انتخابی معیار شامل ہیں۔ ان اقدامات نے ہندوستانی درخواست گزاروں کے لیے ایچ ون بی ویزا کا حصول مزید مشکل بنا دیا ہے۔ حکومت اور میڈیا ان افراد کو 'ایچ ون بی ویزا ہولڈرز جو ہندوستان میں ہیں' کے الفاظ سے مخاطب کر رہے ہیں، جو اس بحران کی سنگینی کو ظاہر کرتا ہے۔ماہرین کا کہنا ہے کہ یہ صورتحال اس بات کی عکاسی کرتی ہے کہ ہندوستان کے ہنرمند اور تعلیم یافتہ طبقہ اپنے بہتر مستقبل کے لیے بیرونِ ملک مواقع کو ترجیح دے رہا ہے۔ان کے مطابق بڑھتی ہوئی ہجرت کی خواہش ہندوستان کے اندر معاشی اور سماجی اعتماد کے بحران کی واضح علامت ہے۔ ماہرین نے یہ سوال بھی اٹھایا ہے کہ آیا ہندوستانی شہری اب اپنے ملک کو طویل المدتی مستقبل کے لیے محفوظ اور پُرکشش سمجھتے بھی ہیں یا نہیں۔

☆☆☆

میری پوسٹ میں کچھ بھی سیاسی نہیں: ڈگ وجے سنگھ

سینئر کانگریس قائد ڈگ وجے سنگھ نے اتوار کے دن کہا کہ 'بی جے پی۔ آر ایس ایس' پوسٹ میں کچھ بھی سیاسی نہیں ہے۔انہوں نے آئی اے این ایس سے کہا کہ میری پوسٹ پر ردِعمل ظاہر کرنے کی کوئی ضرورت نہیں ہے کیونکہ یہ سیاسی نہیں ہے۔ بی جے پی کی سیاست ہمیشہ پھوٹ ڈالو اور راج کرو کی رہی ہے۔ نہرو گاندھی وہ خاندان ہے جس کے دو ارکان شہید ہوئے ہیں۔اس فیملی میں پھوٹ کبھی بھی نہیں پڑسکتی چاہے کتنی ہی کوششیں کیوں نہ کر لی جائیں۔ ڈگ وجے سنگھ نے کہا کہ میری بات کو غلط سمجھا گیا۔ میں نے صرف آر ایس ایس کی تنظیمی طاقت کی ستائش کی تھی۔ میں بی جے پی اور آر ایس ایس کی پالیسیوں کا ہمیشہ مخالف رہا ہوں۔اسی دوران سینئر بی جے پی قائد اور رکن پارلیمنٹ روی شنکر پرساد نے کانگریس پر سخت تنقید کی۔انہوں نے کہا کہ ڈگ وجے عرصہ گذر جانے کے بعد اعتراف کر رہے ہیں کہ بی جے پی کی تنظیمی طاقت بہت زیادہ ہے۔

بارہمولہ میں برآمد مٹی کے ٹیلوں سے کشمیر کا شاندار ماضی منظر عام

شمسی توانائی کے استعمال کا مقصد منی پور میں معاش صورتحال کو بہتر بنانا۔وزیر اعظم کا من کی بات پروگرام

آوازِ تسنیم

وزیر اعظم نریندر مودی نے کہا ہے کہ جموں وکشمیر کے بارہمولہ ضلع کے جہنپورہ مقام پر ملنے والے مٹی کے ٹیلوں کے سائنسی مطالعے سے کشمیر کا ایک شاندار اور باوقار ماضی ہمارے سامنے آیا ہے۔اتوار کے روز اپنے ماہانہ پروگرام 'من کی بات ' کی 129 ویں قسط میں وزیر اعظم نے کہا، "میں جموں وکشمیر کی ثقافتی اور تاریخی وراثت کی ایک ایسی داستان آپ کے ساتھ شیئر کرنا چاہتا ہوں جو آپ کو فخر سے بھر دے گی۔ جموں وکشمیر کے بارہمولہ میں جہنپورہ نامی ایک جگہ ہے۔ وہاں لوگ برسوں سے کچھ اونچے اونچے ٹیلے دیکھتے آ رہے تھے۔ یہ عام سے ٹیلے تھے اور کسی کو معلوم نہیں تھا کہ یہ کیا ہیں۔ پھر ایک دن ماہرینِ آثار قدیمہ کی نظران پر پڑی۔ جب انہوں نے اس علاقے کو غور سے دیکھنا شروع کیا تو یہ ٹیلے کچھ مختلف محسوس ہوئے۔اس کے بعد ان ٹیلوں کا سائنسی مطالعہ شروع کیا گیا۔ ڈرون کے ذریعے اوپر سے تصاویر لی گئیں، زمین کی نقشہ بندی کی گئی اور پھر کچھ حیران کن حقائق سامنے آنے لگے۔معلوم ہوا کہ یہ ٹیلے قدرتی نہیں ہیں بلکہ انسان کے بنائے ہوئے کسی بڑے عمارت کے آثار ہیں۔ اسی دوران ایک اور دلچسپ کڑی سامنے آئی۔ کشمیر سے ہزاروں کلومیٹر دور، فرانس کے ایک میوزیم کے آرکائیوز میں ایک پرانی اور دھندلی سی تصویر ملی۔ بارہمولہ کی اس تصویر میں بدھ مت کے تین استوپ نظر آ رہے تھے۔انہوں نے کہا کہ یہیں سے وقت نے کروٹ لی اور کشمیر کا ایک شاندار ماضی ہمارے سامنے آیا۔ یہ تقریباً دو ہزار سال پرانی تاریخ ہے۔ کشمیر میں جہنپورہ کا یہ بدھسٹ کمپلیکس ہمیں یاد دلاتا ہے کہ کشمیر کا ماضی کیا تھا اور اس کی شناخت کتنی بھرپور تھی۔علحدہ اطلاع کے بموجب وزیر اعظم نریندر مودی نے کہا ہے کہ شمسی توانائی سے منی پور میں بجلی کا مسئلہ حل ہوا ہے اور اس کا استعمال صحت کی دیکھ بھال اور معاش کو بہتر بنانے میں کیا گیا ہے۔اتوار کو اپنے ماہانہ پروگرام "من کی بات " کے 129 ویں اپی سوڈ میں مودی نے کہا، "ایک پرانی کہاوت ہے کہ 'جہاں چاہ، وہاں راہ۔ 'اس کہاوت کو ایک بار پھر منی پور کے ایک نوجوان موئرا نگتھیم نے سچ کر دکھایا ہے، ان کی عمر 40 سال سے بھی کم ہے۔ موئرا نگتھیم منی پور کے دور دراز علاقے میں رہتے تھے وہاں بجلی کا مسئلہ تھا۔ اس چیلنج سے نمٹنے کے لیے انہوں نے مقامی حل پر توجہ مرکوز کی اور انہیں یہ حل شمسی توانائی میں مل گیا۔ ہمارے منی پور میں ویسے بھی شمسی توانائی پیدا کرنا آسان ہے۔ موئیرا نگتھیم نے شمسی پینل لگانے کی مہم چلائی اور اس مہم کی وجہ سے آج ان کے علاقے کے سیکڑوں گھروں میں شمسی توانائی پہنچ گئی ہے۔ خاص بات یہ ہے کہ انہوں نے شمسی توانائی کا استعمال صحت کی دیکھ بھال اور معاش کو بہتر بنانے کے لیے کیا ہے۔ آج ان کی کوششوں سے منی پور میں صحت کے کئی مراکز کو بھی شمسی توانائی مل رہی ہے۔ اس کام سے منی پور کی ناری شکتی کو بھی بہت فائدہ ہوا ہے۔ مودی نے کہا، "آج حکومت 'پی ایم سوریہ گھر مفت بجلی یوجنا ' کے تحت ہر استفادہ کنندہ کو سولر پینل لگانے کے لیے تقریباً 75 سے 80 ہزار روپے دے رہی ہے۔ موئیرا نگتھیم کی یہ کوشش یوتو ذاتی کوشش ہے، لیکن شمسی توانائی سے جڑی ہر مہم کو نئی تحریک دے رہے ہیں۔ "وزیر اعظم نے کہا، "من کی بات ایسے افراد کو سامنے لانے کا بھی پلیٹ فارم ہے جو اپنی محنت سے نہ صرف روایتی فنون کو فروغ دے رہے ہیں بلکہ مقامی لوگوں کو بھی بااختیار بنا رہے ہیں۔ منی پور کے چوراچند پور کی مارگریٹ راما تھر اسیم بھی ایسی ہی ایک مثال ہیں۔ انہوں نے منی پور کی روایتی مصنوعات، دستکاری، اور بانس اور لکڑی سے بنی ہوئی چیزوں کو، ایک بڑے ویژن کے ساتھ دیکھا اور اسی وژن کی وجہ سے، وہ ایک ہینڈی کرافٹ آرٹسٹ سے لوگوں کی زندگی کو بدلنے کا ذریعہ بن گئیں۔ آج مارگریٹ کی یونٹ 50 سے زیادہ فنکار کام کر رہے ہیں اور انہوں نے اپنی محنت سے دہلی سمیت ملک کی کئی ریاستوں میں، اپنی مصنوعات کا ایک بازار بھی تیار کیا ہے۔ "مودی نے کہا، "منی پور کی ہی ایک اور مثال سیناپتی ضلع کی رہنے والی چوکھون کرچینا کی ہے۔ ان کا پورا خاندان روایتی کھیتی میں شامل ہے۔ کرچینا نے اس روایتی تجربے کو مزید وسعت دی۔ انہوں نے پھولوں کی زراعت کو اپنا جنون بنایا۔ آج، وہ اس کام سے مختلف بازاروں کو جوڑ رہی ہیں اور اپنے علاقے میں مقامی کمیونٹیز کو بھی بااختیار بنا رہی ہیں۔

☆☆☆

ووٹرس کے نام کاٹے جانے سے بی جے پی میں اختلاف: اکھلیش

لکھنؤ۔ 27 دسمبر۔(یو این آئی) سماج وادی پارٹی (ایس پی) کے صدر اکھلیش یادو نے ہفتہ کے روز دعویٰ کیا کہ اتر پردیش بی جے پی میں پیدا ہوا باہمی ٹکراؤ کسی مبینہ بغاوت کا نتیجہ نہیں ہے، بلکہ خصوصی گہری نظر ثانی (ایس آئی آر) کے دوران بڑی تعداد میں ووٹروں کے نام کاٹے جانے کی خبر سے پیدا ہوا ہے۔اکھلیش یادو نے ہفتے کے روز جاری ایک بیان میں کہا کہ ایس آئی آر میں تقریباً دو کروڑ 89 لاکھ ووٹروں کے نام حذف کیے جانے کی اطلاع پہلے ہی بی جے پی کے ارکانِ اسمبلی کے درمیان پہنچ چکی ہے۔انہوں نے دعویٰ کیا کہ ان میں سے 85 تا 90 فیصد ووٹر وزیر اعلیٰ کے اپنے حامی بتائے جا رہے ہیں۔ ایس پی صدر نے کہا کہ اگر دو کروڑ 89 لاکھ کا صرف 85 فیصد بھی مان لیا جائے تو یہ تعداد تقریباً دو کروڑ پینتالیس لاکھ بنتی ہے، جس کا اثر ریاست کی 403 اسمبلی سیٹوں پر اوسطاً تقریباً 61 ہزار ووٹ فی نشست کے طور پر پڑے گا۔انھوں نے کہا کہ اس صورتِ حال میں بی جے پی کو ہر سیٹ پر تناسب کے لحاظ سے بھاری نقصان ہوگا اور انتخاب میں دوعددی ہندسے تک پہنچنا بھی مشکل ہو جائے گا۔

ہمایوں کبیر کی پارٹی سے اتحاد کی کوئی بات چیت نہیں

انڈین سیکولر فرنٹ کے سربراہ نوشاد صدیقی کا وضاحت

آوازِ تسنیم

انڈین سیکولر فرنٹ (آئی ایس ایف) کے سربراہ نوشاد صدیقی نے اتوار کے دن واضح کیا کہ ترنمول کانگریس کے معطل قائد ہمایوں کبیر کی نئی پارٹی جے یو پی سے انتخابی اتحاد کے سلسلہ میں کوئی بات چیت نہیں ہوئی ہے۔ایک دن قبل ہمایوں کبیر نے کہا تھا کہ وہ مغربی بنگال اسمبلی الیکشن کیلئے آئی ایس ایف کے ساتھ اتحاد کرنا چاہتے ہیں۔غور طلب ہے کہ نوشاد صدیقی ہفتہ کے دن کولکتہ میں سی پی آئی ایم ہیڈکوارٹر پہنچے تھے جہاں انہوں نے بایاں بازو قائدین سے بات چیت کی۔ 2021ء کے اسمبلی الیکشن میں بایاں بازو نے آئی ایس ایف کے ساتھ اتحاد کیا تھا۔میڈیا سے بات چیت میں صدیقی نے کہا کہ ہم سے کسی نے بھی ربط پیدا نہیں کیا ہے۔ مجھے خبر نہیں کہ ہمایوں کبیر کی پارٹی اسمبلی الیکشن میں ہمارے ساتھ اتحاد کرنا چاہتی ہے۔ ہفتہ کے دن ہمایوں کبیر نے کہا تھا کہ بنگال کی سیاست کے مستقبل میں، میں اور آئی ایس ایف متحد ہو رہے ہیں۔ حیدر آباد کی مجلس بھی اگر آ جائے تو اُس کا بھی خیر مقدم ہے۔اسی دوران نوشاد صدیقی نے اسمبلی الیکشن کی زمینی تیاریاں شروع کر دی ہیں۔ وہ بایاں بازو قائدین سے مثبت اشارہ ملنے کے بعد وسطی کولکتہ کی علیم الدین اسٹریٹ پر واقع بایاں بازو ہیڈکوارٹر پہنچ گئے۔انہوں نے وہاں بمن باسو کے علاوہ محمد سلیم اور سریدیپ بھٹاچاریہ سے تبادلہ خیال کیا۔نوشاد صدیقی کے بموجب اتحاد کی بات چیت ابھی تو شروع ہوئی ہے۔

جموں میں ایم بی بی ایس داخلہ تنازعہ شدت اختیار کر گیا

آوازِ تسنیم

جموں کے لوک بھون کے باہر ہفتہ کو اس وقت کشیدگی پیدا ہو گئی جب درجنوں مظاہرین نے شری ماتا ویشنو دیوی انسٹی ٹیوٹ آف میڈیکل ایکسیلنس ریاسی میں جاری ایم بی بی ایس داخلہ تنازع کے خلاف زبردست احتجاج کیا۔ شری ماتا ویشنو دیوی سنگھرش سمیتی جو کئی دایاں بازو تنظیموں کا نیا اتحاد ہے' کی قیادت میں مظاہرین نے ایل جی گو بیک اور دیگر نعرے لگاتے ہوئے متنازعہ داخلہ فہرست کو فوری واپس لینے کا مطالبہ کیا۔ احتجاج میں بی جے پی خواتین ونگ کی کارکنان کے ساتھ ساتھ جموں چیمبر آف کامرس اینڈ انڈسٹری کے صدر ارون گپتا سمیت کئی تجارتی رہنما بھی شامل ہوئے۔ مظاہرین کی بڑی تعداد کے باعث مرکزی سڑک بند رہی جس سے ایک گھنٹے سے زیادہ ٹریفک جام رہا اور مسافروں کو شدید مشکلات کا سامنا کرنا پڑا۔ صورتحال پر قابو پانے کے لیے پولیس کی بھاری نفری تعینات تھی، تاہم احتجاجی گروپوں کو پیچھے دھکیلنے میں اہلکاروں کو خاصی دقت پیش آئی کیونکہ کئی مظاہرین لوک بھون کے احاطے میں داخل ہونے کی کوشش کرتے رہے ۔سنگھرش سمیتی کے کنوینر کرنل سکھویر دسنگھ منکوٹیا نے میڈیا سے بات کرتے ہوئے کہا، 'ہم اپنے مذہبی جذبات سے متعلق 'جائز مطالبات ' کے حل تک احتجاج جاری رکھیں گے۔ہم کسی مذہب کے طلبہ کے خلاف نہیں، مگر چاہتے ہیں کہ میڈیکل کالج کی نشستیں صرف ہندو طلبہ کے لیے مخصوص ہوں۔

انہوں نے مزید کہا کہ چونکہ ایل جی شرائن بورڈ کے چیئرمین ہیں اس لیے ان پر ذمہ داری عائد ہوتی ہے کہ کسی بھی کمیونٹی کے مذہبی جذبات مجروح نہ ہوں۔ منکوٹیا نے مطالبہ کیا کہ اگر نشستوں کی مخصوص مختص کرنا ممکن نہیں تو حکومت کالج کو بند کرنے پر غور کرے۔ واضح رہے کہ تنازع اس وقت بھڑکا جب گزشتہ ماہ 50 نشستوں والے پہلے ایم بی بی ایس بیچ کے داخلے نیٹ میرٹ لسٹ کے ذریعہ مکمل ہوئے ، جن میں 42 مسلم امیدوار زیادہ تر کشمیر سے' سات ہندو طلبہ جموں سے اور ایک سکھ امیدوار شامل ہے۔

☆☆☆

हूती ने दी इजरायल को बड़ी धमकी, सोमालीलैंड को मान्यता देने पर बढ़ा तनाव

अवाज़ ए तसनीम

इजरायल ने सोमालीलैंड को एक देश के रूप में मान्यता दे दी है. इस फैसले के खिलाफ यमन के हूती ने इजरायल को सीधे धमकी दे दी है. हूती विद्रोही ग्रुप के प्रमुख ने कहा है कि सोमालीलैंड में इजरायल की मौजूदगी हूती लड़ाकों के लिए मिलिट्री टार्गेट मानी जाएगी. पूरी खबर जानने के लिए नीचे स्क्रॉल करें.माँ हिन्दू-बाप इसाई फिर किस धर्म को मानती हैं दीया मिर्ज़ा; फेल हो जाएगा आपका अंदाजा !हूती ने दी इजरायल को बड़ी धमकी, सोमालीलैंड को मान्यता देने पर बढ़ा तनावइजरायल ने बीते शुक्रवार (26 दिसंबर) को सोमालीलैंड को एक देश के रूप में मान्यता दे दी. इसके बाद सऊदी और कतर ने इजरायल की निंदा की और इस कदम को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया. अब यमन के हूती विद्रोही ने साफ तौर पर इजरायल को धमकी दे दी है. हूती ने कहा कि सोमालीलैंड में किसी भी प्रकार के

इजरायली मौजूदगी को मिलिट्री टार्गेट माना जाएगा. हूती विद्रोही आए दिन इजरायल पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले करते हैं. हूती विद्रोही के प्रमुख अब्देल-मलिक अल-हौथी ने इजरायल द्वारा सोमालीलैंड को मान्यता देने का विरोध किया और इस फैसले को यमन और सोमालिया के लिए आक्रामक कार्रवाई बताया. उन्होंने कहा कि हम सोमालीलैंड में किसी भी इजरायली मौजूदगी को अपने सशस्त्र बलों के लिए एक मिलिट्री टार्गेट मानते हैं. अब्देल-मलिक अल-हौथी ने इजरायल के इस कदम को सोमालिया और उसके पड़ोसी अफ्रीकी देश के साथ-साथ यमन को निशाना बनाने वाला शत्रुतापूर्ण रुख करार दिया है. सोमालीलैंड, सोमालिया का हिस्सा है, जो वर्ष 1991 में सोमालिया से स्व-घोषित रूप से अलग हो गई. हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोमालीलैंड को मान्यता नहीं मिली थी. लेकिन इजरायल द्वारा मान्यता देने पर बवाल बढ़ गया है. सोमालिया ने इजरायल के इस कदम का विरोध किया. अरब के देशों ने कहा कि इजरायल द्वारा सोमालीलैंड को मान्यता देना सोमालिया की संप्रभुता, अखंडता और एकता का उल्लंघन है. उन्होंने चेतावनी दी है कि इसके गंभीर परिणाम होंगे.

बांग्लादेश हिंसा के बीच पर्दे के पीछे क्या डील? यूनुस से पाक दूत की मुलाकात

अवाज़ ए तसनीम

बांग्लादेश में हिंसा का दौर जारी है. इस हिंसा के बीच पाकिस्तान के हाई कमिश्नर इमरान हैदर ने रविवार को बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की है. पूरी खबर पढ़ने के लिए नीचे स्क्रॉल करें.इमरान हैदर ने यह भी कहा कि पाकिस्तान में लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट कराने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है और पाकिस्तान ट्रांसप्लांट से संबंधित मेडिकल ट्रेनिंग और शैक्षिक अवसर प्रदान करने के लिए तैयार है. चीफ एडवाइजर प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकी का स्वागत किया और कहा कि सार्क देशों के बीच यात्रा और सांस्कृतिक, शैक्षिक और लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाना

महत्वपूर्ण है.मुहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश-पाकिस्तान व्यापार को और बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया और उम्मीद जताई कि हैदर के कार्यकाल के दौरान, दोनों देश निवेश और संयुक्त उद्यमों के लिए नए अवसरों की तलाश करेंगे. पाकिस्तानी हाई कमिश्नर ने यह भी बताया कि ढाका और कराची के बीच सीधी उड़ानें जनवरी में शुरू होने की संभावना है. बांग्लादेश इस समय हिंसा और अल्पसंख्यकों पर हमलों के कारण खबरों में है. मुहम्मद यूनुस आलोचना का सामना कर रहे हैं और भारत में भी अल्पसंख्यकों पर हमलों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं.अमेरिकी विदेश विभाग ने बांग्लादेश में धार्मिक हिंसा की निंदा की है. एक अमेरिकी सीनेटर ने भी दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग को भयानक बताया और धार्मिक नफरत की बिना शर्त निंदा करने की अपील की. ?एक अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा, ÷संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सभा और संगठन की स्वतंत्रता का समर्थन करता है.÷ प्रवक्ता ने कहा, ÷संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक हिंसा की कड़ी निंदा करता है. हम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का भी स्वागत करते हैं.÷

बांग्लादेश हिंसा के बीच पर्दे के पीछे क्या डील? यूनुस से पाक दूत की मुलाकात

अवाज़ ए तसनीम

बांग्लादेश में हिंसा का दौर जारी है. इस हिंसा के बीच पाकिस्तान के हाई कमिश्नर इमरान हैदर ने रविवार को बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की है. पूरी खबर पढ़ने के लिए नीचे स्क्रॉल करें.इमरान हैदर ने यह भी कहा कि पाकिस्तान में लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट कराने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है और पाकिस्तान ट्रांसप्लांट से संबंधित मेडिकल ट्रेनिंग और शैक्षिक अवसर प्रदान करने के लिए तैयार है. चीफ एडवाइजर प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकी का स्वागत किया और कहा कि सार्क देशों के बीच यात्रा और सांस्कृतिक, शैक्षिक और लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाना महत्वपूर्ण है.मुहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश-पाकिस्तान व्यापार को और बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया और उम्मीद जताई कि हैदर के कार्यकाल के दौरान, दोनों देश निवेश और संयुक्त उद्यमों के लिए नए अवसरों की तलाश करेंगे. पाकिस्तानी हाई कमिश्नर ने यह भी बताया कि ढाका और कराची के बीच सीधी उड़ानें जनवरी में शुरू होने की संभावना है. बांग्लादेश इस समय हिंसा और अल्पसंख्यकों पर हमलों के कारण खबरों में है. मुहम्मद यूनुस आलोचना का सामना कर रहे हैं और भारत में भी अल्पसंख्यकों पर हमलों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं.अमेरिकी विदेश विभाग ने बांग्लादेश में धार्मिक हिंसा की निंदा की है. एक अमेरिकी सीनेटर ने भी दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग को भयानक बताया और धार्मिक नफरत की बिना शर्त निंदा करने की अपील की. ?एक अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा, ÷संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सभा और संगठन की स्वतंत्रता का समर्थन करता है.÷ प्रवक्ता ने कहा, ÷संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक हिंसा की कड़ी निंदा करता है. हम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का भी स्वागत करते हैं.÷

'उस्मान हादी के हत्यारे भारत भाग गए, बांग्लादेश पुलिस का बड़ा दावा

अवाज़ ए तसनीम

बांग्लादेश पुलिस ने दावा किया है कि छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे बॉर्डर पार करके भारत में घुस गए हैं. शक है कि शूटर मेघालय में घुसे हैं और उन्हें वापस लाने की प्रक्रिया चल रही है.बांग्लादेश के छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद पूरे देश में हिंसा फैल गई. ढाका की सड़कों पर भड़की विरोध की आग सीमा पार करके भारत तक फैल गई है. इस बीच ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने दावा किया है कि इस सनसनीखेज हत्या के दो मुख्य संदिग्ध बांग्लादेश से भागकर भारत में घुस गए हैं और मेघालय पहुंच गए हैं.स्थानीय दैनिक द डेली स्टार के मुताबिक, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के हवाले से बताया गया है कि हत्या के दो मुख्य संदिग्ध फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख मैमनसिंह जिले में हलुआघाट सीमा के रास्ते देश से भाग गए और भारत के मेघालय में घुस गए. छ्स्क्क मीडिया सेंटर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अतिरिक्त आयुक्त एस.एन. नज़रुल इस्लाम ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि सीमा पार करने के बाद दोनों संदिग्धों को एक स्थानीय नेटवर्क से मदद मिली.

अधिकारियों ने क्या कहा?

अधिकारियों के मुताबिक, भारत में एंट्री करने के बाद उन्हें पहले पूर्ति नाम के एक व्यक्ति ने रिसीव किया और फिर सामी नाम के एक टैक्सी ड्राइवर ने उन्हें मेघालय के तुरा शहर पहुंचाया. पुलिस ने यह भी दावा किया कि भारत में संदिग्धों को पनाह और परिवहन में मदद करने वाले दोनों व्यक्तियों को भारतीय एजेंसियों ने हिरासत में ले लिया है. नजरुल इस्लाम ने कहा, ÷हम संदिग्धों की गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण सुनिश्चित करने के लिए औपचारिक और अनौपचारिक दोनों चैनलों के माध्यम से भारतीय अधिकारियों के संपर्क में हैं.÷

क्या है पूरा मामला

गौरतलब है कि 12 दिसंबर को ढाका के बिजोयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान उस्मान हादी को सिर में गोली मार दी गई थी. उन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया था, लेकिन 18 दिसंबर को चोटों के कारण उनकी मौत हो गई. हादी की मौत के बाद पूरे बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और हिंसा भड़क गई. उस्मान हादी शेख हसीना विरोधी मंच इंकलाब मंच से जुड़े थे और आगामी फरवरी चुनावों में ढाका-8 सीट से स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर चुनाव प्रचार कर रहे थे. उनकी हत्या के बाद इंकलाब मंच ने अंतरिम सरकार को चेतावनी दी थी कि अगर दोषियों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया गया तो आंदोलन और तेज होगा.

पाकिस्तान एयरलाइंस की फजीहत, उड़ान में एयर होस्टेस की मारपीट कैमरे में कैद

अवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की एक फ्लाइट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें दो फ्लाइट अटेंडेंट आपस में लड़ते हुए दिख रहे हैं. इस घटना ने के वर्क कल्चर और अनुशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैंपाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस सुर्खियों में है. नीलामी की काफी चर्चा हो रही है. इस बीच, एक वीडियो क्लिप भी शर्मिंदगी का कारण बन रही है. इसमें दो एयर होस्टेस के बीच लड़ाई हो रही है. दोनों अपने देश को रिप्रेजेंट कर रही थीं, लेकिन अपने देश की जमीन पर नहीं, बल्कि विदेश में! यह क्लिप जेद्दा (सऊदी अरब) एयरपोर्ट की है, जिसमें पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की दो एयर होस्टेस लड़ती हुई दिख रही हैं, जबकि के अधिकारी उन्हें शांत कराने की नाकाम कोशिश करते दिख रहे हैं. जब यह क्लिप वायरल हुई, तो को एक्शन लेना पड़ा. हम न्यूज़ के मुताबिक, यह घटना 23 दिसंबर को जेद्दा एयरपोर्ट के इंटरनेशनल डिपार्चर लाउंज में हुई, जब की एक फ्लाइट मुल्तान के लिए रवाना होने वाली थी. सूत्रों के अनुसार, बहस गरमागरम बातचीत से शुरू हुई लेकिन जल्द ही हाथापाई में बदल गई. इस दौरान, मौके पर मौजूद एक अधिकारी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन खड़ी एयर होस्टेस को अपनी बैठी हुई साथी को मारते हुए साफ देखा जा सकता है. उसे गुस्से में यह कहते हुए भी सुना जा सकता है, तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई ऐसा कहने की? यह क्लिप सिर्फ 12 सेकंड की है.

ईरान में बहाई समुदाय पर कार्रवाई, मां-बेटी समेत 8 औरतों को हुई 90 साल की जेल

आवाज़ ए तसनीम

ईरान में बहाई समुदाय के खिलाफ कार्रवाई का एक और गंभीर मामला सामने आया है. ईरान ने बहाई धर्म को मानने वाली आठ औरतों को जेल भेज दिया है. इन औरतों पर अपने धर्म का प्रचार करने और सरकार विरोधी सरगर्मियों में शामिल होने जैसे आरोप लगाए गए हैं. इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी सऊदी अरब स्थित न्यूज आउटलेट ईरान इंटरनेशनल ने दी है. रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार (27 दिसंबर) की सुबह आठों बहाई औरतों को इस्फहान स्थित ऑफिस फॉर द एनफोर्समेंट ऑफ सेंटेंस में पेश होने के लिए बुलाया गया था. वहां रिपोर्ट करने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया और सजा काटने के लिए एक स्थानीय जेल भेज दिया गया. इन औरतों पर 'इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ प्रोपेगैंडा, बहाई मान्यताओं को बढ़ावा देने और दुश्मन ग्रुप्स की मदद करने' जैसे संगीन इल्जाम लगाए गए हैं.

इन औरतों को हुई 90 साल की जेल

सूत्रों के हवाले से ईरान इंटरनेशनल ने बताया कि इन मामलों को सुरक्षा से जुड़ा और गोपनीय घोषित किया गया है. इसके बावजूद न्यूज वेबसाइट ने सभी आठ औरतों के नाम और तस्वीरें सार्वजनिक की हैं. गिरफ्तार औरतों की पहचान येगानेह रूहबख्श, अरेजू सोभानियान, शाना शौकीफार, नेदा इमादी, नेदा बदख्श, मोजगन शाहरेजाई, परस्तू हकीम और नेगिन खादेमी के रूप में हुई है. हिरासत में ली गई औरतों में अरेजू सोभानियान और येगानेह रूहबख्श मां-बेटी हैं. इससे पहले इस्फहान कोर्ट ऑफ अपील्स ने शनिवार को गिरफ्तार की गई आठ महिलाओं समेत कुल दस बहाई महिलाओं के खिलाफ सुनाई गई सजा को बरकरार रखा था. अदालत ने इन महिलाओं को कुल 90 साल की जेल और 900 मिलियन तोमन के जुर्माने की सजा सुनाई थी. यह अपील प्रक्रिया उनकी गैरमौजूदगी में पूरी की गई, जहां बचाव पक्ष के वकील भी मौजूद नहीं थे.

बहाई धर्म को ईरान नहीं देता मान्यता

ईरान बहाई धर्म को ईसाई, यहूदी या पारसी धर्म की तरह आधिकारिक मान्यता नहीं देता. 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से बहाई समुदाय को लगातार उत्पीड़न, गिरफ्तारियों और सरकारी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है. हालिया गिरफ्तारियां भी इसी सिलसिले की कड़ी मानी जा रही हैं, जिनके साथ सरकारी मीडिया में बहाई विरोधी बयानबाजी तेज हुई है. अक्टूबर महीने में ईरानी सरकारी टेलीविजन पर एक कट्टर कमेंटेटर अली शिराजी ने दावा किया था कि बहाई अल्पसंख्यकों का यहूदियों के साथ अटूट रिश्ता है. अली शिराजी ने दावा किया था कि %बहाई और इजरायल एक ही हैं.% ये टिप्पणियां बहाई इंटरनेशनल कम्युनिटी की उन रिपोर्टों के बाद सामने आई थीं, जिनमें कहा गया था कि छह राज्यों में एक साथ चलाए गए अभियान के तहत बहाई समुदाय से जुड़े कम से कम 22 लोगों के घरों और कारोबारों पर छापेमारी की गई.

'बहाई समुदाय के इजरायल से करीबी संबंध'

ईरानी अधिकारी लंबे समय से बहाई समुदाय पर इजरायल से संबंध होने का आरोप लगाते रहे हैं. इसकी एक वजह यह भी बताई जाती है कि बहाई धर्म का धार्मिक केंद्र हाइफा में है, जहां इसके संस्थापक की मजार है. मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि ऐसे आरोपों का इस्तेमाल बहाई लोगों की गिरफ्तारी, संपत्ति जब्ती और लंबी जेल की सजा को जायज ठहराने के लिए किया जाता है.

खेल पर भारी पड़ी सियासत; भारतीय टीम से खेलने पर Pak ने उबैदुल्लाह को किया बैन

आवाज़ ए तसनीम

खेलों को आमतौर पर सरहदों से ऊपर और राजनीति से दूर माना जाता है, लेकिन पाकिस्तान में एक बार फिर खेल के मैदान में दुश्मनी और सियासत को घुसा दिया गया है. जिस खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर खेलते हुए खुद को साबित किया, उसी को अब सजा का सामना करना पड़ रहा है. पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन ने बिना इजाजत भारतीय टीम की ओर से खेलने और तिरंगा फहराने वाले उबैदुल्लाह राजपूत पर प्रतिबंध लगाकर यह साफ कर दिया कि यहां खेल से ज्यादा अहम राजनीतिक सोच और दुश्मनी को माना जाता है. इस फैसले ने पाकिस्तान के खेल जगत में हलचल मचा दी है.

कराची से सामने आई इस खबर के मुताबिक, पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन ने कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत पर आधिकारिक तौर पर प्रतिबंध लगा दिया है. आरोप है कि उबैदुल्लाह ने फेडरेशन की इजाजत के बिना भारतीय कबड्डी टीम की ओर से खेला और मैच के बाद भारतीय तिरंगा भी फहराया. इस कार्रवाई को लाहौर में आयोजित पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन की जनरल काउंसिल की बैठक में मंजूरी दी गई.

लाहौर में हुई इस बैठक में फेडरेशन के पदाधिकारियों ने पूरे मामले पर चर्चा की और इसके बाद उबैदुल्लाह राजपूत के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया. पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन के चेयरमैन चौधरी शाफ़े हुसैन ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि उबैदुल्लाह ने बिना अनुमति भारतीय टीम की ओर से खेला और भारतीय झंडा लहराया, जो फेडरेशन के नियमों के खिलाफ है.

चौधरी शाफे हुसैन ने बताया कि उबैदुल्लाह राजपूत का मामला अब पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन की डिसिप्लिनरी कमेटी को सौंप दिया गया है. डिसिप्लिनरी कमेटी इस पूरे मामले की जांच करेगी और नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई तय करेगी. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि खिलाड़ी को इस प्रतिबंध के खिलाफ अपील करने का पूरा अधिकार होगा और वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी अपील दायर कर सकता है.

फेडरेशन चेयरमैन ने भविष्य की योजनाओं पर भी बात की. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन वर्ष 2026 में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुल 13 कबड्डी इवेंट्स का आयोजन करेगी. इन आयोजनों के जरिए खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा का बेहतर मंच देने की योजना है. हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि किसी भी खिलाड़ी को बिना एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) के देश से बाहर खेलने की इजाजत नहीं दी जाएगी. फेडरेशन का कहना है कि सभी खिलाड़ियों को नियमों और तय प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य होगा.

गौरतलब है कि उबैदुल्लाह राजपूत ने बहरीन में आयोजित एक कबड्डी टूर्नामेंट में भारतीय कबड्डी टीम का प्रतिनिधित्व किया था. इस टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए मैच में हिस्सा लिया और मैच के बाद भारतीय झंडा भी फहराया था. इसी घटना के सामने आने के बाद पाकिस्तान कबड्डी फेडरेशन ने मामले का संज्ञान लिया और फिर जनरल काउंसिल की बैठक में उनके खिलाफ कार्रवाई का फैसला किया गया.

बांग्लादेश हिंसा के बीच पर्दे के पीछे क्या डील? यूनुस से पाक दूत की मुलाकात

आवाज़ ए तसनीम

पाकिस्तान के हाई कमिश्नर इमरान हैदर ने रविवार को बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस से मुलाकात की है. यह मुलाकात ढाका के स्टेट गेस्ट हाउस में हुई. मीटिंग के दौरान दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश और एविएशन में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की, साथ ही सांस्कृतिक, शैक्षिक और मेडिकल आदान-प्रदान बढ़ाकर दक्षिण एशियाई देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर भी बात की.

पाकिस्तानी हाई कमिश्नर ने बताया कि पिछले साल की तुलना में द्विपक्षीय व्यापार में 20 फीसद की वृद्धि हुई है, और दोनों देशों के कारोबारी समुदाय सक्रिय रूप से नए निवेश के अवसरों की तलाश कर रहे हैं. उन्होंने सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भी काफी वृद्धि का जिक्र किया और कहा कि बांग्लादेशी छात्रों ने पाकिस्तान में उच्च शिक्षा में रुचि दिखाई है, खासकर मेडिकल साइंस, नैनोटेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में.

इमरान हैदर ने यह भी कहा कि पाकिस्तान में लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट कराने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है और पाकिस्तान ट्रांसप्लांट से संबंधित मेडिकल ट्रेनिंग और शैक्षिक अवसर प्रदान करने के लिए तैयार है. चीफ एडवाइजर प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने दोनों देशों के बीच बढ़ती नजदीकी का स्वागत किया और कहा कि सार्क देशों के बीच यात्रा और सांस्कृतिक, शैक्षिक और लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाना महत्वपूर्ण है. मुहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश-पाकिस्तान व्यापार को और बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया और उम्मीद जताई कि हैदर के कार्यकाल के दौरान, दोनों देश निवेश और संयुक्त उद्यमों के लिए नए अवसरों की तलाश करेंगे. पाकिस्तानी हाई कमिश्नर ने यह भी बताया कि ढाका और कराची के बीच सीधी उड़ानें जनवरी में शुरू होने की संभावना है. बांग्लादेश इस समय हिंसा और अल्पसंख्यकों पर हमलों के कारण खबरों में है. मुहम्मद यूनुस आलोचना का सामना कर रहे हैं और भारत में भी अल्पसंख्यकों पर हमलों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं. अमेरिकी विदेश विभाग ने बांग्लादेश में धार्मिक हिंसा की निंदा की है. एक अमेरिकी सीनेटर ने भी दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग को भयानक बताया और धार्मिक नफरत की बिना शर्त निंदा करने की अपील की. ?एक अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा, ÷संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सभा और संगठन की स्वतंत्रता का समर्थन करता है.÷ प्रवक्ता ने कहा, ÷संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक हिंसा की कड़ी निंदा करता है. हम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का भी स्वागत करते हैं.÷

एक ही दिन में 2 हजार अफगान शरणार्थी निकाले गए, तालिबान का ईरान-पाकिस्तान पर आरोप

आवाज़ ए तसनीम

तालिबान ने दावा किया है कि ईरान और पाकिस्तान ने एक ही दिन लगभग दो हजार अफगान शरणार्थियों को देश से निकाल दिया. माना जा रहा है कि इस कदम से इस क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा हो जाएगा.एक ही दिन में 2 हजार अफगान शरणार्थी निकाले गए, तालिबान का ईरान-पाकिस्तान पर आरोपतालिबान के एक अधिकारी ने दावा किया है कि पड़ोसी देशों ईरान और पाकिस्तान से एक ही दिन में दो हज़ार से ज़्यादा अफ़ग़ान शरणार्थियों को निकाल दिया गया. तालिबान के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने रविवार को एक्स प्लेटफ़ॉर्म पर यह जानकारी शेयर की. प्रवासी मामलों के उच्चायोग की एक रिपोर्ट शेयर करते हुए उन्होंने बताया कि शनिवार को 668 परिवारों (जिनमें 2,553 लोग शामिल थे) को ईरान और पाकिस्तान से अफग़ानिस्तान वापस भेज दिया गया.पझवोक अफगान न्यूज़ ने उनके हवाले से बताया कि ईरान और पाकिस्तान से निकाले गए अफगान कंधार में स्पिन बोल्डक क्रॉसिंग, हेलमंद में बहरमचा, हेरात में इस्लाम कला क्रॉसिंग, निमरोज़ में पुल-ए-अब रेशम और नंगरहार में तोरखम क्रॉसिंग के रास्ते अफगानिस्तान पहुंचे. फितरत ने कहा कि 694 परिवारों (जिनमें 4,310 लोग शामिल थे) को उनके संबंधित इलाकों में पहुंचाया गया, जबकि 531 परिवारों को अफगान क्षेत्र में प्रवेश करने पर मानवीय सहायता मिली. उन्होंने आगे कहा कि कम्युनिकेशन कंपनियों ने लौटने वाले शरणार्थियों को 747 सिम कार्ड बांटे. मंगलवार को 2,370 अफगान प्रवासियों को ईरान और पाकिस्तान से जबरन वापस भेजा गया.पिछले महीने, पाकिस्तान से हाल ही में लौटे कई अफगान प्रवासियों ने कहा कि उन्हें सर्दियों के मौसम में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय मीडिया ने बताया कि उन्होंने आश्रय की कमी, सर्दियों में मदद की ज़रूरत और इलेक्ट्रॉनिक आईडी कार्ड (तज़किरा) प्राप्त करने में कठिनाइयों का ज़िक्र किया. मानवाधिकार समूहों ने भी शरणार्थियों के प्रति सरकार के बर्ताव पर टिप्पणी करने से परहेज़ किया है.पिछले कुछ महीनों से तालिबान और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के कारण, इस्लामाबाद ने अफ़ग़ान शरणार्थियों पर दबाव बढ़ा दिया है. पाकिस्तानी सेना इस्लामाबाद सहित विभिन्न क्षेत्रों में हर दिन बड़े पैमाने पर प्रवासियों को परेशान कर रही है. बिना वीज़ा के अफ़ग़ान शरणार्थियों की गिरफ्तारी से जुड़े आधिकारिक अभियानों के अलावा, सादे कपड़ों में लोग आवासीय क्षेत्रों में प्रवासियों से पैसे वसूल रहे हैं. अफगानों का कहना है कि उन्हें डर और चिंता से भरे अमानवीय परिस्थितियों में रहने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जहां उनके अधिकारों का सम्मान नहीं किया जाता है.

डोटासरा बोले-डबल इंजन की सरकार डबल भ्रष्टाचार कर रही

दोनों हाथ से लूटने का काम कर रहे, जायज काम भी भ्रष्टाचार के बिना नहीं होता

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- हमने अरावली बचाओ और एसआईआर को लेकर जिलों में कार्यक्रम किए थे। जिन 8 जिलों में यह कार्यक्रम नहीं हुआ, हम उन जिला कांग्रेस कमेटियों को नोटिस देकर पूछेंगे कि उनकी ऐसी क्या मजबूरी रही कि उनके यहां कार्यक्रम नहीं हुए।

सरकार पर निशाना साधते हुए डोटासरा ने कहा

पिछले दो साल से सीएम भजनलाल शर्मा के भाषण सुन रहे हैं। वे कहते हैं कि हमने भ्रष्टाचार रोक दिया, कांग्रेस ने भ्रष्टाचार किया, कांग्रेस ये खा गई, कांग्रेस वो खा गई।

तो तुम कर क्या रहे हो? जो खा गए, उनसे निकलवाओ तो सही, उनके खिलाफ कार्रवाई तो करो। लेकिन सही बात यह है कि भ्रष्टाचार डबल करने का काम यह डबल इंजन की सरकार कर रही है।

आज जो अरावली की परिभाषा इन्होंने बदली है, वो खनन माफियाओं के लिए बदली गई है। इनकी राष्ट्र के प्रति कोई सोच नहीं है। इन्हें कई सालों बाद सत्ता मिली है, ऐसे में यह दोनों हाथों से लूटने का काम कर रहे हैं। जयपुर में कांग्रेस स्थापना दिवस के कार्यक्रम ये बातें कहीं।

जायज काम भी भ्रष्टाचार के बिना नहीं होता

डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री से कोई पूछे कि आप रोज ईमानदारी का भाषण दे रहे हैं, लेकिन उनका एक भी मंत्री या विधायक ईमानदारी से काम नहीं कर रहा है। इनका एक भी ब्यूरोक्रेट ईमानदारी से काम नहीं कर रहा है।

आज किसी अधिकारी के पास कोई जाता है तो जायज होने वाला काम भी भ्रष्टाचार के बगैर नहीं होता है, इस तरह के तो इनके हालात बने हुए हैं।

ये लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन लोकतंत्र को खुद खत्म कर रहे हैं। इन्हें पंचायत और निकाय चुनाव 9 महीने में कराने थे, लेकिन आज सरकार बनने के दो साल बाद भी इन्होंने चुनाव नहीं करवाए।

कांग्रेस विचारधारा के व्यक्ति को ही मिलेगा टिकट

कांग्रेस के स्थापना दिवस कार्यक्रम में अधिकांश विधायक और सांसदों की गैर मौजूदगी को लेकर पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि हम इतने आराम पसंद हो गए कि टिकट लेनी है, चुनाव लड़ना है और फिर चले जाना है।

जोधपुर मंडल की 10 जोड़ी ट्रेनों में बढ़ेंगे डिब्बे: 1 से 31 जनवरी तक वेटिंग टिकट वाले यात्रियों को मिलेगी राहत

आवाज़ ए तसनीम

जोधपुर। नव वर्ष एवं त्योहारी सीजन में बढ़े हुए यात्री यातायात को देखते हुए रेलवे की ओर से यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। जोधपुर मंडल से चलने एवं गुजरने वाली 10 जोड़ी ट्रेनों में 1 से 31 जनवरी 2026 तक अस्थाई रूप से अतिरिक्त डिब्बे लगाए जाएंगे। इस व्यवस्था से रणकपुर, इंटरसिटी, इंदौर, रणथंबोर, मरुधर, दादर, साबरमती, जैसलमेर एवं हमसफर सहित विभिन्न ट्रेनों में एसी थ्री टियर, स्लीपर तथा जनरल श्रेणी के अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे, जिससे प्रतीक्षा सूची व जनरल टिकट वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

रणकपुर और इंटरसिटी में एसी डिब्बों की बढ़ोतरी

मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि ट्रेन संख्या 14707/14708 हनुमानगढ़-दादर-हनुमानगढ़ रणकपुर एक्सप्रेस में एक एसी थ्री टियर डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। ट्रेन संख्या

22977/22978 जयपुर-जोधपुर-जयपुर इंटरसिटी सुपरफास्ट में एक फर्स्ट सह सेकंड एसी क्लास व एक एसी थ्री टियर डिब्बा जोड़ा जाएगा।

ट्रेन संख्या 14801/14802 जोधपुर-इंदौर-जोधपुर एक्सप्रेस में एक स्लीपर और तीन जनरल डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 12465/12466 इंदौर-भगत की कोठी-इंदौर रणथंबोर सुपरफास्ट में एक स्लीपर और तीन जनरल डिब्बे जोड़े जाएंगे।

मरुधर एक्सप्रेस में भी मिलेगी सुविधा

ट्रेन संख्या 14854/14864/14866 व 14853/14863/14865 जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर मरुधर एक्सप्रेस में एक एसी थ्री टियर डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी से प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

दादर और साबरमती रूट पर भी अतिरिक्त कोच

ट्रेन संख्या 14807/14808 जोधपुर-दादर-जोधपुर एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 20483/20484 भगत की कोठी-दादर-भगत की कोठी सुपरफास्ट, ट्रेन संख्या 20485/20486 जोधपुर-साबरमती-जोधपुर सुपरफास्ट और ट्रेन संख्या 20492/20491 साबरमती-जैसलमेर-साबरमती सुपरफास्ट प्रत्येक में एक-एक थ्री टियर एसी तथा दो-दो स्लीपर क्लास के डिब्बे अस्थाई तौर पर जोड़े जा रहे हैं।

वहीं ट्रेन संख्या 20481/20482 भगत की कोठी-तिरुचिरापल्ली-भगत की कोठी हमसफर साप्ताहिक सुपरफास्ट में एक स्लीपर डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है।

जयपुर में जाम में फंसे पूर्व डीजी के साथ धक्का-मुक्की

पिस्टल दिखाने के आरोप को लेकर हंगामा, गुस्साई भीड़ ने ड्राइवर से की मारपीट

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जयपुर के खातीपुरा तिराहे पर शनिवार शाम पौषबड़ा प्रसादी प्रोग्राम के दौरान लगे जाम में फंसे पूर्व डीजी की स्थानीय लोगों से कहासुनी हो गई। पूर्व डीजी के पिस्टल दिखाने के आरोप से हंगामे के साथ विवाद बढ़ गया। भड़की भीड़ ने उनके ड्राइवर के साथ मारपीट कर दी। वैशाली नगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर विवाद को शांत करवाया।

जाम में फंस गए थे पूर्व डीजी

खातीपुरा तिराहे पर शनिवार शाम पौषबड़ा प्रसादी का प्रोग्राम था। प्रोग्राम में बीजेपी नेता लालचंद कटारिया और एमएलए गोपाल शर्मा भी मौजूद थे। प्रोग्राम के दौरान लगे जाम में वहां से निकल रहे पूर्व डीजी नवदीप सिंह फंस गए। जाम की बात को लेकर पूर्व डीजी नवदीप सिंह की स्थानीय लोगों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ने पर धक्का-मुक्की हो गई। आरोप है कि पूर्व डीजी नवदीप सिंह ने पिस्टल दिखाई, जिससे भीड़ भड़क गई। उनके ड्राइवर के साथ मारपीट की गई।

नवदीप सिंह बोले- पिस्टल दिखाने की बात गलत

हालांकि, नवदीप सिंह ने पिस्टल दिखाने की बात को गलत बताया है। उनका कहना है कि उसके पास कोई हथियार नहीं था, सिर्फ एक बैग था। खातीपुरा तिराहे पर जाम को लेकर वहां मौजूद लोगों से वाहनों को साइड में लगाने का आग्रह किया था, इसी बात को लेकर लोगों से बहस हो गई। हालात बिगड़ते देखकर उन्होंने एडिशनल पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच को कॉल कर सूचना दी। वैशाली नगर थाने की पीसीआर ने मौके पर पहुंच विवाद को शांत करवाया। पूर्व डीजीपी का आरोप है कि उनके ड्राइवर के साथ मारपीट की गई। कार की चाबी भी छीन ली गई। घर से दूसरी चाबी मंगवानी पड़ी।

राजस्थान में बुर्का या घूंघट पहनकर महिलाएं नहीं कर सकेंगी मतदान, राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किए दिशा-निर्देश

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। राजस्थान में पंचायतीराज और स्थानीय निकायों के चुनाव में बुर्का या घूंघट पहनकर महिलाएं मतदान नहीं कर सकेंगी। मतदानकर्मी पहचान के बाद ही उन्हें मतदान करने की अनुमति देंगे। मतदानकर्मी इस बात का अवश्य ध्यान रखेंगे कि कोई भी महिला मुंह ढककर मतदान नहीं करे।

मतदाता का आइडी कार्ड दिखाना आवश्यक होगा

राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदान दलों के गठन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। राज्य के निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि मतदाता की पहचान के लिए मतदाता का आइडी कार्ड दिखाना आवश्यक होगा। मतदान केंद्रों पर पहले मतदाता का नाम एवं फोटो का मिलान किया जाएगा। उसके बाद बिना चेहरा ढके मतदान करना होगा। आयोग के अनुसार स्थानीय निकाय एवं पंचायत चुनाव के दौरान गठित होने वाले मतदान दलों में महिला कर्मचारियों को शामिल नहीं किया जाएगा। दलों में केवल पुरुष कर्मचारी ही शामिल होंगे। ऐसे में बुर्काधारी एवं घूंघट करके आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान के लिए स्थानीय महिला कर्मचारी की सहायता लेने के निर्देश दिए गए हैं। इन महिला स्थानीय कर्मचारियों में पटवारी, ग्राम सेवक, महिला शिक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल होंगे। प्रदेश की 14 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों एवं 450 पंचायत समितियों और 41 जिला परिषदों के लिए शैक्षणिक गाइडलाइन भी तय की गई है। अब सरपंच पद का चुनाव दसवीं कक्षा पास व्यक्ति ही लड़ सकेगा। वहीं, स्थानीय निकायों में पार्षद के लिए दसवीं अथवा 12वीं कक्षा पास व्यक्ति ही चुनाव लड़ सकेगा।

पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लो के कॉन्सर्ट में पहुंचे अभिषेक शर्मा

पंजाबी गाने गुनगुनाते नजर आए क्रिकेटर, वन ऑन वन इंडिया टूर का जयपुर में समापन

आवाज़ ए तसनीम

जयपुर। जयपुर में रविवार को सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट शो में भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा पहुंचे। उनकी एंट्री होते ही वहां मौजूद भीड़ में जोरदार शोर सुनाई दिया। लोग तालियां बजाने लगे और वीडियो बनाने लगे। सिंगर एपी ढिल्लों ने अभिषेक शर्मा के लिए कहा- ये गाना अभिषेक के लिए, रातन नु दस मैनु नींद क्यों ना आवे। इस दौरान अभिषेक शर्मा भी गाना गुनगुनाते नजर आए। दोनों ने गर्मजोशी से एक-दूसरे को गले लगाया। यह कॉन्सर्ट जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में हुआ। यह शो एपी ढिल्लों के 'वन ऑफ वन टूर' का आखिरी कॉन्सर्ट था।

युवाओं में दिखा जबरदस्त क्रेज

JECC में आयोजित इस कॉन्सर्ट में जयपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के शहरों से भी बड़ी संख्या में युवा पहुंचे थे। हर उम्र के संगीत प्रेमी एपी ढिल्लों के गानों पर झूमते नजर आए। पंजाबी बीट्स, मॉडर्न म्यूज़िक और लाइव परफॉर्मेंस का यह संगम युवाओं के लिए किसी फेस्टिवल से कम नहीं था। एपी ढिल्लों ने अपने कई चर्चित हिट नंबर सुनाकर दर्शकों से जमकर तालियां बटोरीं। एपी ढिल्लों ने कॉन्सर्ट में ब्राउन मुंडे, एक्सक्यूज, इनसेन, समर हाई, टोक्सिक, विद यू, ट्रू स्टोरी, एरोगेंट सहित कई गानों को सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अरावली रेंज पर जारी विवाद के बीच आज अहम दिन!

सुप्रीम कोर्ट पर टिकीं करोड़ों लोगों की निगाहें

आवाज़ ए तसनीम

अरावली पर्वतमाला को लेकर जारी विवाद एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की दहलीज पर पहुंच गया है. पूरे देश, खास तौर पर राजस्थान में 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही 'अरावली' मानने की नई परिभाषा का विरोध किया जा रहा है. अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई तय की है. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली वैकेशन बेंच आज इस पर सुनवाई करेगी, जिसमें जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल होंगे. यह मामला सीजेआई के वैकेशन कोर्ट में पांचवें नंबर पर लिस्टेड है. माना जा रहा है कि सुनवाई के दौरान केंद्र और राज्य सरकारों के लिए नए निर्देश जारी हो सकते हैं.

केंद्र की सिफारिश स्वीकार होने के बाद विरोध तेज

सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की समिति सिफारिश को स्वीकार किया था. इस नए सुझाव के मुताबिक केवल 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली रेंज का हिस्सा माना जाएगा. यह मामला 1985 से चल रहा है. सुप्रीम कोर्ट से गोदावर्मन और एम.सी. मेहता मामले में अरावली को व्यापक संरक्षण प्राप्त है. नए आदेश के बाद राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में विरोध तेज हो गया है. पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों का कहना है कि छोटी पहाड़ियों को अरावली की श्रेणी से बाहर करने से खनन को बढ़ावा मिलेगा और यह पारिस्थितिकी के लिए बड़ा खतरा है. वहीं, केंद्र सरकार का कहना है कि यह गलतफहमी है और अरावली का संरक्षण जारी रहेगा.

हरियाणा के पूर्व अधिकारी ने भी दी चुनौती

इससे पहले हरियाणा के वन विभाग के पूर्व अधिकारी आर.पी. बलवान ने भी इस नई परिभाषा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. उन्होंने गोदावर्मन मामले में याचिका दायर कर केंद्र, राजस्थान, हरियाणा और पर्यावरण मंत्रालय को पक्षकार बनाया. कोर्ट ने सभी पक्षों को नोटिस जारी कर दिया है और शीतकालीन अवकाश के बाद सुनवाई होगी.

24 दिसंबर को खनन पट्टों पर लगी रोक

विवाद बढ़ने पर केंद्र सरकार ने 24 दिसंबर को अरावली क्षेत्र में नए खनन पट्टों पर रोक लगाने के आदेश जारी कर दिए. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने कहा कि अरावली श्रृंखला में किसी भी नई खनन लीज को मंजूरी नहीं दी जाएगी और सभी राज्य सरकारों को इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना होगा. मंत्रालय के अनुसार, इस आदेश का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक फैली इस सतत पर्वत श्रृंखला की रक्षा कर अनियमित खनन को रोकना है.

दौसा सांसद ने अरावली खोद कर मकान बना डाला

किरोड़ी बोले- नेहरू, इंदिराजी को साथ लेकर घूमते थे, PM बन गईं; पायलट बेटे को लेकर आए, इसमें कोई बुराई नहीं

आवाज़ ए तसनीम

दौसा। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कांग्रेस के अरावली प्रदर्शन में सचिन पायलट के बेटे को लेकर आने पर समर्थन किया है। कहा- नेहरू भी इंदिराजी को साथ लेकर घूमते थे, वो PM बन गई। अगर सचिन ले आए तो लोकतंत्र में इसमें कोई बुराई नहीं है। डॉ. किरोड़ी ने अरावली मुद्दे पर कहा- केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी प्रकार की माइनिंग नहीं होगी। जबकि कांग्रेस ने लीज दे-देकर अरावली को खोखला कर दिया और अब आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने सांसद मुरारीलाल मीणा पर भी सियासी बयान दिया। कहा- यहां के सांसद ने तो अरावली को खोदकर मकान बना लिया। दूसरे पर आरोप लगाने से पहले खुद की ओर देखना चाहिए। कांग्रेस के राज में अरावली जितनी बर्बाद हुई, उतनी पहले कभी नहीं हुई। हमारी सरकार में सेंचुरी और वन खूब विकसित हुए हैं, साथ ही पर्यावरण को उच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश में विकास करा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भी अरावली के संरक्षण को लेकर बयान दिया है। डॉ. किरोड़ी रविवार को दौसा डाक बंगले में पीएम के मन की बात सुनने शामिल हुए थे। इसके बाद उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब दिए।

मोदी के चित्र फाड़ने से भागीरथ नहीं बन सकते

वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शनिवार को डाक बंगले के हॉल का ताला तोड़ने के प्रयास के सवाल पर कहा- ग्लोबल लीडर नरेन्द्र मोदी के चित्र फाड़ने से वो भागीरथ नहीं बन सकते। डाक बंगले के हॉल में केन्द्र सरकार की योजनाओं के फ्लैक्स लगे हुए हैं, उन्हें फाड़ने के उद्देश्य से गेट को ठोकरें मारना लोकतंत्र में यह परम्परा ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि डाक बंगले में 5 साल मुरारीलाल मीणा रहे हैं, हमने तो कभी ऐसी हरकत नहीं की। उनकी यह हरकत किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं की जा सकती। साथ ही दौसा विधायक को लेकर मंत्री ने कहा कि उपचुनाव में विधायक बन गए तो इसका मतलब यह नहीं कि देश के प्रधानमंत्री को अपमानित करें। उन्होंने कहा कि अस्पताल के ट्रोमा सेंटर के उद्घाटन के वक्त मैंने भरोसा दिलाया था कि कोई काम हो तो मुझे बताएं। यहां की कोई बात थी तो मुझे बताते मैं पार्टी कार्यकर्ताओं को कहता। लेकिन ऐसा ईर्ष्या भाव से किया गया कृत्य है, यह समाज की दूरियां बढ़ाता है। हम चाहते हैं सामाजिक समरसता बढ़नी चाहिए, लेकिन दोनों नेताओं (सांसद-विधायक) ने दूरियां बढाने का काम किया है। इसकी निंदा करता हूं और चेतावनी देता हूं कि आगे से ऐसा कृत्य किया तो नहले का जवाब दहले से दिया जाएगा।

कांग्रेसी दिखते नहीं, मेरा भाई सुनवाई कर रहा

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा- भाजपा एक नेशनल पार्टी ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा संगठन है। मेरे बारे में लोग कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन मेरे भाई को इन चीजों से कोई लेना-देना नहीं है। यह सार्वजनिक स्थान है और चुनाव हारने के बाद भी वह जनता की सुनवाई कर रहे हैं। वो लोग (कांग्रेस) तो चुनाव हारने के बाद कहीं दिखते ही नहीं हैं। ऐसे में यदि चुनाव हारने के बाद भी सरकार का व्यक्ति जनसुनवाई कर रहा है तो सांसद मुरारीलाल मीणा और विधायक डीसी बैरवा को परहेज नहीं होना चाहिए।

वसुंधरा राजे बोलीं- हेलमेट कहां है, लगाओ

स्कूटी सवार नाबालिगों ने कहा- रखा है; पूर्व सीएम ने अपनी गाड़ी रुकवाकर समझाए ट्रैफिक नियम

आवाज़ ए तसनीम

झालावाड़। झालावाड़ में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने अपनी गाड़ी रुकवाकर स्कूटी सवार बच्चों को ट्रैफिक नियम समझाए। स्कूटी सवार नाबालिगों से पूछा- हेलमेट कहां है, बच्चों ने कहा कि रखा है। राजे ने बच्चों को हेलमेट लगाने की हिदायत दी।

यह घटनाक्रम 26 दिसंबर गोदाम की तलाई इलाके का है। जानकारी के अनुसार दोनों स्टूडेंट मंगलपुरा इलाके में कोचिंग करने जा रहे थे। इसी दौरान पूर्व सीएम भी वहां से गुजर रही थीं। वसुंधरा राजे ने बच्चों को बिना हेलमेट स्कूटी चलाते देख रोककर ट्रैफिक नियम समझाए।

अब समझिए क्या है पूरा मामला

दरअसल पूर्व सीएम वसुंधरा राजे 26 दिसंबर को झालावाड़ में डाक बंगले से भाजपा के वरिष्ठ नेता शिक्षक पाटीदार के घर जा रही थीं।

इस दौरान दो बच्चे बिना हेलमेट लगाए स्कूटी से गोदाम की तलाई इलाके से मंगलपुरा इलाके में कोचिंग के लिए जा रहे थे। वसुंधरा राजे ने बच्चों को बिना हेलमेट स्कूटी चलाते देखा। उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाई और बच्चों को अपने पास बुलाया।

'हेलमेट रखने के लिए नहीं, बल्कि लगाने के लिए होता है'

राजे ने बच्चों से पूछा, 'हेलमेट कहां है? हेलमेट लगाओ।' बच्चों ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि हेलमेट रखा है। इस पर वसुंधरा राजे ने उन्हें समझाया कि हेलमेट रखने के लिए नहीं, बल्कि लगाने के लिए होता है। उन्होंने जोर दिया कि यातायात नियमों के अनुसार, स्कूटी चलाने वाले और पीछे बैठने वाले दोनों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री की गाड़ी में भाजपा जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन शर्मा भी मौजूद थे। भाजपा के झालरापाटन ग्रामीण मंडल उपाध्यक्ष बालचंद राठौर ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया।

SRG अस्पताल भी पहुंचीं राजे

वसुंधरा राजे ने झालावाड़ दौरे के दौरान रविवार को एसआरजी अस्पताल का निरीक्षण भी किया था। उन्होंने अस्पताल में चिकित्सा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान राजे सर्जिकल आईसीयू और एमआईसीयू में पहुंचीं।

उन्होंने मरीजों के उपचार, उपलब्ध संसाधनों और व्यवस्थाओं की स्थिति का अवलोकन किया। राजे ने आईसीयू को अपग्रेड करने और आवश्यक आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इसके साथ ही, उन्होंने आईसीयू में लगे एसी डक्ट की शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश भी दिए।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों हिंदुओं की हत्याओं एवं उन पर हो रहे अत्याचार निन्दनीय

दोषियों के ख़िलाफ़ सख्त कार्रवाही की जाये- 'मुस्लिम प्रोग्रेसिव फ़ेडरेशन'

आवाज़ ए तसनीम

मुस्लिम प्रोग्रेसिव फ़ेडरेशन राजस्थान बांग्लादेश में होने वाली हालिया घटनाओं जिस में अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय पर हुए अत्याचार व हत्याओं की घटनाओं की सख़्त शब्दों में भर्त्सना एवं निंदा करती है। ये घटनाएँ इस्लाम की शिक्षा मान्यताओं और इंसानी हक़ अधिकारों और इंसानियत के एकदम ख़िलाफ़वर्ज़ी है। किसी भी मज़हब धर्म, सभ्य समाज में बे-गुनाहों, बे क़ुसूर लोगों के क़त्ल एवं उन पर ज़ुल्म अत्याचार करने की कोई इजाज़त नहीं देता है। लिहाज़ा फ़ेडरेशन के कन्वीनर अब्दुल सलाम जौहर की बांग्लादेश की सरकार से माँग है की ऐसे हमलों एवं घटनाओं को तुरन्त प्रभाव से सख्ती से रोका जाये और दोषियों के ख़िलाफ़ सख्त से सख्त क़ानूनी कार्यवाही की जाये। फ़ेडरेशन की भारत सरकार से भी पुरज़ोर माँग है की ऐसे संगीन घटनाओं को रुकवाने के लिये सख़्त से सख़्त सभी आवश्यक ठोस क़दम उठाये जाएँ सख़्त फ़ैसले लिये जायें जिस से वहाँ अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों एवं हो रही हत्याओं पर तुरंत रोक लगे और आगे ऐसी घटनाएँ बंद हों।

गोरक्षकों ने वसुंधरा राजे का काफिला रोका: मृत गायों को खुले में फेंक देने से नाराज थे; कोटा-चित्तौड़ हाईवे पर लगा जाम

आवाज़ ए तसनीम

कोटा। कोटा के मशहूर हैंगिंग ब्रिज पर गोरक्षकों और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के काफिले को रोक लिया। उन्होंने करीब 20 मिनट तक वसुंधरा राजे को रोके रखा। मामला कोटा-चित्तौड़गढ़ नेशनल हाईवे पर दोपहर करीब 1 बजे का है। गोरक्षक कोटा शहर में मृत गायों के निस्तारण की समस्या से बेहद नाराज थे। वे पदयात्रा निकाल रहे थे। वसुंधरा राजे ने उनकी समस्या को सुना। उन्होंने मौके से ही जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से फोन पर बात कर प्रशासनिक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान कुछ देर के लिए ट्रैफिक बाधित हुआ और जाम जैसी स्थिति बन गई। वसुंधरा झालावाड़ से जयपुर की ओर जा रही थीं। बजरंग दल कार्यकर्ताओं और गोरक्षकों से बातचीत करती पूर्व सीएम वसुंधरा राजे। गोरक्षकों ने राजे से मृत गायों के निस्तारण की शिकायत की। बजरंग दल कार्यकर्ताओं और गोरक्षकों से बातचीत करती पूर्व सीएम वसुंधरा राजे। गोरक्षकों ने राजे से मृत गायों के निस्तारण की शिकायत की।

गोरक्षक बोले- मृत गायों को खुले में फेंकने की जगह दफनाएं

गोरक्षकों ने आरोप लगाया कि नगर निगम के ठेकेदार मृत गायों को बंदा धरमपुरा के पास खाली प्लॉट में खुले में फेंक देते हैं। इतना ही नहीं, गायों को सड़कों पर घसीटकर ले जाया जाता है, जो न सिर्फ क्रूरता है बल्कि हिंदू धर्म की पवित्र भावनाओं और सांस्कृतिक मूल्यों का घोर अपमान भी है।

स्वामी और प्रकाशक रमाकांत गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, पीआरजीआई नं. RJBIL/25/A1815 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: tasneemtv.official @gmail.com, वेबसाइट: www.tasneemtv.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।